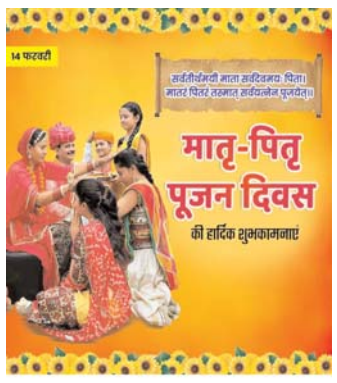


दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 196/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 14 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in


## प्रधानमंत्री अमेरिका से दिल्ली रवाना

# ट्रम्प बोले- नरेन्द्र मोदी मुझसे बेहतर

### भारत को एफ-35 फाइटर जेट देने के लिए अमेरिका तैयार

**वॉशिंगटन।** पीएम नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा खत्म कर दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। पीएम मोदी शुक्रवार देर रात 3 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे। दोनों नेता करीब ढाई घंटे तक साथ रहे। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत हुई। ट्रम्प-मोदी ने 2 बार मीडिया से बात की।

ट्रम्प ने टैरिफ मामले पर मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें एक टफ नेगोशिएटर (मोलभाव करने वाला) बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी उनके अच्छे दोस्त हैं और वे अच्छा काम कर रहे हैं। वो मुझसे भी बेहतर नेगोशिएटर हैं।

ट्रम्प ने भारत को स्न-35 फाइटर जेट देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने 2008 में मुंबई हमले के आतंकी तहव्वुर राणा को भारत भेजने की बात कही।

वहीं, पीएम मोदी ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने पर ट्रम्प को बधाई दी। मोदी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि मुझे ट्रम्प के साथ दोबारा काम करने का अवसर मिला है। मेरे और ट्रम्प के मिलने का मतलब एक और एक ग्यारह है।

### ट्रंप-मोदी प्रेस कॉन्फ्रेंस: व्यापार और सुरक्षा पर फोकस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्हाइट हाउस में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस अभी-अभी समाप्त हुई। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की तारीफ़ करते हुए अपने द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर जोर दिया। व्यापार पर फोकस रहा इस बैठक का मुख्य विषय, जहां ट्रंप ने भारत से आयात किए जाने वाले माल पर बराबर टैरिफ़ (आयात शुल्क) लगाने की बात कही। उन्होंने कहा, भारत जो भी हम पर शुल्क लगाता है, हम उन पर शुल्क लगाएंगे। इस पर मोदी ने दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता शुरू करने की बात कही। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई फोन पर बातचीत के बारे में भी बताया, जिसमें उन्होंने उम्मीद जताई कि यह बातचीत यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने की शुरुआत करेगी। एनर्जी क्षेत्र में, ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका से अधिक तेल और गैस खरीदेगा। वर्तमान में, भारत रूस, इराक और सऊदी अरब से लगभग 90 अरब डॉलर का तेल और गैस खरीदता है। पीएम मोदी ने अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों को वापस लेने के लिए अपना सहयोग देने का वादा किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों और सहयोग का प्रदर्शन हुआ।

## सांध्यप्रकाश विशेष

### बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को जेड श्रेणी की सुरक्षा, गृह मंत्रालय ने आईबी की रिपोर्ट के बाद लिया फैसला

**नई दिल्ली।** बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को अब जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान की जाएगी। गृह मंत्रालय ने खुफिया विभाग (आईबी) की रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया है। लगभग 30 सीआरपीएफ कमांडो की एक टीम दलाई लामा की सुरक्षा का जिम्मा लेगी। इसके अलावा, पुरी से सांसद संबित पात्रा को भी मणिपुर में जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है, जो वहां भाजपा के प्रभारी हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 89 वर्षीय दलाई लामा की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा शाखा को सौंपी है। दलाई लामा को देश के सभी हिस्सों में सीआरपीएफ कमांडो द्वारा जेड-श्रेणी का सुरक्षा कवर प्रदान किया जाएगा। अब तक, दलाई लामा के पास हिमाचल प्रदेश पुलिस का एक छोटा सुरक्षा कवर था, और दिल्ली या अन्य स्थानों की यात्रा के दौरान स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाती थी। सरकार ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की समीक्षा के बाद उन्हें एक समान सुरक्षा कवर प्रदान किया है।

दलाई लामा का जन्म 1935 में ल्हामो थोंडुप के रूप में हुआ था और दो साल की उम्र से ही उन्हें अपने पूर्ववर्ती तिब्बती धर्मगुरु का पुनर्जन्म माना गया। 1940 में, उन्हें तिब्बत की राजधानी ल्हासा में 14वें दलाई लामा के रूप में मान्यता दी गई। 1950 में चीन ने तिब्बत पर हमला किया, और 1959 में चीन के खिलाफ एक विद्रोह के असफल होने के बाद दलाई लामा भारत आ गए। तब से वे हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं।

### मुख्यमंत्री डॉ यादव को दिल्ली में बंगला आवंटित हुआ

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को केंद्र सरकार ने दिल्ली में बंगला अलॉट कर दिया है। पता है - 14 अशोका रोड नई दिल्ली।

यह वही बंगला है जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी कोई 35 साल तक रही। बताया गया है कि कुछ महीनो पूर्व ही उन्होंने यह बंगला खाली किया है जो अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को आवंटित हो गया है।

### मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू, पहले ही मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दिया था इस्तीफा

**इंफाल।** मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इससे पहले, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद से ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने की चर्चा चल रही थी। मणिपुर में लंबे समय से जातीय हिंसा का दौर चला, हालांकि पिछले कुछ समय से वहां शांति की स्थिति बनी हुई थी। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह पर राज्य में हिंसा से निपटने में नाकाम होने के आरोप लगते रहे हैं। इससे पहले, बीजेपी के 19 विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटाने की मांग की थी। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यव्रत सिंह, मंत्री थोंगम विश्वजीत सिंह और युमनाम खेमचंद सिंह शामिल थे।

### कमिश्नर डॉ. रावत ने एसडीओ की एक वेतन वृद्धि रोकने के दिए आदेश

**सागर।** संभाग के कमिश्नर डॉ वीरेंद्र सिंह रावत ने अनुविभागीय अधिकारी श्री निकेत चौरसिया द्वारा अनुशासनहीनता, कदाचार, सेवा कर्तव्यों के उल्लंघन करने के आधार पर एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने का आदेश दिया है।

संभागायुक्त कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार श्री निकेत चौरसिया, अनुविभागीय अधिकारी (रा0) पथरिया जिला दमोह द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6 (4) के प्रकरणों एवं न्यायालयीन प्रकरणों में शासन निर्देशानुसार कार्यवाही संपादित नहीं किये जाने के कारण श्री निकेत चौरसिया, अनुविभागीय अधिकारी (रा0) पथरिया जिला दमोह को म0प्र0 सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-16 के अंतर्गत इस कार्यालय के ज्ञापन क्रमांक 34 / तीन / विभा0 जॉच / 2025 सागर, दिनांक 10-01-2025 द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया जाकर 10 दिवस के अंदर उनका उत्तर चाहा गया था।

### जिस संस्था में 33 साल पहले विद्यार्थी रहे अब उसी के कुलगुरु

**भोपाल।** जिस संस्था में 33 साल पहले विद्यार्थी रहे अब उसी के कुलगुरु के रूप में कुर्सी पर विराजे हैं। किसी विद्यार्थी के लिए इससे बड़ा सुखद संयोग क्या होगा कि वह जिस संस्था में पढ़ा हो अब उसी के सर्वोच्च पद यानी कुलगुरु के पद पर आसीन हैं। जी हां हम बात कर रहे हैं वरिष्ठ पत्रकार और प्रगतिशील कृषक विजय मनोहर तिवारी की, जिन्होंने कल माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु का कार्यभार ग्रहण किया। वे इसी संस्था के 92-93 बैच के स्टूडेंट रहे हैं। विश्वविद्यालय के पदभार ग्रहण करने के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर माखनपुरम परिसर के उद्यान में उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा भी लगाया। इसके पश्चात नवनियुक्त कुलगुरु श्री तिवारी ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया।



## जन अभियान परिषद की कार्यकारिणी सभा की बैठक

# किसानों को गोपालन और सोलर पंप के लिए प्रेरित करें: मोहन यादव

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता मे मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की कार्यकारिणी सभा की 15वीं बैठक मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संपन्न हुई। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि जन अभियान परिषद से जुड़े स्वयंसेवी संगठन तथा प्रसफुटन समितियां कृषकों को सोलर पंप लगवाने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से गोपालन को भी प्रोत्साहित किया जाए। संपूर्ण प्रदेश में दोनों गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव द्वारा दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि जन अभियान परिषद से जुड़े स्वयंसेवी संगठन तथा प्रसफुटन समितियां कृषकों को सोलर पंप लगवाने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से गोपालन को भी प्रोत्साहित किया जाए। संपूर्ण प्रदेश में दोनों गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव द्वारा दिए गए।

#### नगर द्वार का नाम दाता बंदी छोड़ द्वार होगा

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज घोषणा करते हुए कहा कि ग्वालियर के पुरानी छावनी में बनने वाले नगर द्वारा का नाम सिख धर्म के छठे गुरू, गुरु हरगोबिंद सिंह के सम्मान में 'दाता बंदी छोड़ द्वार' रखा जाएगा। डॉ यादव ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि आज गर्व के साथ हम ग्वालियर के पुरानी छावनी क्षेत्र में बनने वाले नगर द्वार का नाम सिख धर्म के छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद सिंह जी के सम्मान में 'दाता बंदी छोड़ द्वार' रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्वालियर शहर और चंबल संभाग सिख समुदाय के अद्वितीय इतिहास और समृद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध हैं। गुरु हरगोबिंद सिंह जी का साहस और बलिदान हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है।

### ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मेहमान 'सदर मंजिल' में रुकेंगे

**भोपाल।** भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की साक्षी राजधानी की 126 साल पुरानी विरासत सदर मंजिल भी बनेगी। सात साल की मेहनत के बाद सदर मंजिल न सिर्फ नए रूप में तैयार हुई है, बल्कि अब यह एक हेरिटेज होटल में तब्दील हो गई है, जहां पहली बार मेहमान ठहरेंगे। इन मेहमानों के लिए 20 कमरे बुक हो चुके हैं, जिन्हें नवाबी दौर की शान-ओ-शौकत से रूबरू होने का मौका मिलेगा। इस हेरिटेज होटल में कुल 22 कमरे हैं, जिनमें से अब तक 20 की बुकिंग हो गई है। 23, 24 और 25 फरवरी को सदर मंजिल में देश की नामी कंपनियों के डायरेक्टर, सीईओ और एमडी ठहरेंगे। रेनोवेशन के बाद पहली बार इसमें मेहमान रात बिताएंगे। जीआइएस के बाद यह होटल आम लोगों के लिए भी खोल दिया जाएगा।

**ट्रायल के बाद जीआईएस से शुरुआत का फैसला-** सदर मंजिल में बने हेरिटेज होटल की शुरुआत से पहले ट्रायल हो चुका है। ट्रायल में स्टाफ के परिवार के लोग यहां पहुंचे थे। इस दौरान खाने का स्वाद, लाइटिंग और इंटीरियर पर खास ध्यान दिया गया। ट्रायल में होटल पास हुआ, इसलिए इसे जीआइएस से ही शुरू करने का फैसला लिया गया है। हालांकि, जीआइएस से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव या किसी मंत्री से इसका उद्घाटन कराया जा सकता है।

#### व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने जन अभियान परिषद द्वारा महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के लिए समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव द्वारा जन अभियान परिषद के संभागीय समीक्षा प्रतिवेदन 2024 -25 तथा स्वैच्छिक संगठनों का संसार पुस्तिका का विमोचन किया गया।

### मोदी-ट्रंप मीटिंग के बाद उछला शेयर बाजार, सेंसेक्स 230 अंक उछला

**नई दिल्ली।** मोदी-ट्रंप में अमेरिका-भारत के बीच डील के बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखी जा रही है। पिछले बंद 76,138.97 की तुलना में सेंसेक्स 76,388.99 पर खुला, जबकि निफ्टी 23,096.45 पर खुला। सेंसेक्स के टॉप 30 शेयरों में से 18 शेयर तेजी पर थे, जबकि बाकी के 12 शेयर गिरावट पर थे। सबसे ज्यादा गिरावट अडानी पोर्ट के शेयर में 1 फीसदी से ज्यादा रही. जबकि सबसे ज्यादा तेजी ICICI बैंक के शेयर में 1 फीसदी से ज्यादा की रही। वहीं निफ्टी के टॉप 50 शेयरों में से 32 शेयर उछाल पर और 17 शेयर गिरावट पर थे।

### अब चैंपियंस ट्रॉफी की प्राइज मनी दोगुना से ज्यादा बढ़ी

**नई दिल्ली।** इंटरनेशनल क्रिकेट कार्उंसिल ने शुक्रवार को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए प्राइस मनी की घोषणा की है। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होने जा रही है। इसमें आठ देश हिस्सा लेंगे। इस एडिशन के चैंपियन को 19.46 करोड़ (2.24 मिलियन S डॉलर) और उपविजेता को 9.72 करोड़ (1.12 मिलियन S डॉलर) रुपए मिलेंगे। वहीं, सेमीफाइनल हारने वाली दोनों टीम को लगभग 4.86 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी की कुल प्राइज मनी 59.93 करोड़ है, जो 2017 में हुई पिछली चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले 53% ज्यादा है।

### महाकुंभ- 53 लाख लोग डुबकी लगाने पहुंचे, प्रयागराज जाम

#### संगम पर भीड़ रोकने के लिए कई जगह बैरिकेडिंग

**प्रयागराज।** महाकुंभ में आज शुक्रवार को फिर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। दोपहर 12 बजे तक 53.95 लाख लोगों ने स्नान किया है। 3 दिन बाद फिर प्रयागराज की सड़कों पर जाम लगा है। सुलेमसराय इलाके में 1 किमी तक वाहनों की लाइन लगी है। नैनी ब्रिज पर भी सुबह 1.5 किमी लंबा जाम लगा है। संगम क्षेत्र में भीड़ बढ़ने से कई बैरियर पर लोगों को रोक दिया गया है। पुलिस लगातार अनाउंस कर रही है कि श्रद्धालु संगम क्षेत्र खाली होने का इंतजार करें। कल शनिवार और फिर रविवार है। ऐसे में प्रशासन का अनुमान है कि वीकेंड पर भीड़ उमड़ सकती है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी लखनऊ में मीटिंग की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सीनियर अफसर खुद सड़क पर उतरें और हर स्तर पर जवाबदेही तय करें। योगी ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले रास्तों में कहीं पर भी जाम न लगे। श्रद्धालुओं को दिक्कत नहीं आए। अगर जाम लगा तो वहां के अफसरों की जवाबदेही तय होगी।

## हिंदू-जैन परंपरा से होगी शिवराज के बेटे कुणाल की शादी

### आज भोपाल में स्नेह भोज, उप राष्ट्रपति धनखड़ समेत बीजेपी-कांग्रेस के नेता आएंगे

**भोपाल।** केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छोटे बेटे कुणाल सिंह चौहान आज विवाह बंधन में बंधने जा रहे हैं। भोपाल के होटल ताज में जैन परिवार की बेटी रिद्धि के साथ कुणाल के विवाह की रस्में पूरी होंगी। स्नेह भोज नीलबड़ के पास वाना ग्रीन होटल में होगा।

शादी समारोह में भाग लेने के लिए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री और नेता शामिल होंगे।

भोपाल में विवाह समारोह में सीएम डॉ. मोहन यादव, राज्यपाल मंगू भाई पटेल, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, सहित मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों, सभी विधायकों, सांसदों, केन्द्रीय मंत्रियों और सभी दलों के नेता शामिल होंगे। होटल वाना ग्रीन में होने वाले नेताओं के मूवमेंट को देखते हुए पुलिस और प्रशासन अलर्ट है।

**हिंदू और जैन परंपरा के मुताबिक होगी शादी-** कुणाल सिंह चौहान की शादी भोपाल के डॉक्टर इंद्रमल जैन की पोती और संदीप जैन की बेटी रिद्धि से होने जा रही है। शादी हिंदू और जैन परंपराओं के अनुसार होगी। देर शाम से शुरू होगा मेहमानों के पहुंचने का सिलसिला केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉक्टर पेमासानी चंद्रशेखर शाम 5 बजे शादी में शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम 7 बजे वाना ग्रीन में पहुंचेंगे। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री भी देर शाम आएंगे। छत्तीसगढ़ और मणिपुर की पूर्व राज्यपाल उइके रात 8 बजे शादी समारोह में पहुंचेंगी। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ रात 8 बजे शादी समारोह में शामिल होंगे। ज्योर्तिमठ अवंत भानपुरा पीठ के महाराज स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ जी महाराज रामगंज मंडी राजस्थान से रात करीब 8-30 बजे शादी समारोह में शामिल होंगे।

#### बेटे की हल्दी की रस्म में पत्नी के साथ जमकर झूमे शिवराज सिंह!

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने छोटे बेटे कुणाल की शादी की हल्दी की रस्म में पत्नी साधना सिंह के साथ जमकर झूमे और डांस किया। डांस के कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में शिवराज सिंह का नया खुशनुमा अंदाज दिखाई देगा। केंद्रीय मंत्री अपनी पत्नी के लिए गाना गाते

हुए भी नजर आ रहे हैं। गाने के बोल थे, 'जनम-जनम का साथ है हमारा-तुम्हारा।' छोटे बेटे की शादी 14 फरवरी को होगी। शादी के बंधन से पहले कई रस्में हुई, जिसकी तस्वीरें सामने आई। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के अपने एक्स' अकाउंट से छोटे बेटे की हल्दी रस्म की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा 'विवाह में हल्दी की रस्म का विशेष महत्व है। परिवार की सभी सौभाग्यवती मातृशक्ति एवं वरिष्ठ परिजनों ने बेटे कुणाल के आरोग्य, ऐश्वर्य और मंगलमय वैवाहिक जीवन के लिए विधिपूर्वक हल्दी लेपन की रस्म संपन्न की।

### ग्लोबल समिट की तैयारियों की समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री के अधिकारियों को निर्देश

# विश्व विद्यालयों और कॉलेजों के चयनित छात्र छात्राओं की समिट में शामिल किया जाए : कश्यप

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं प्रभारी मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने ग्लोबल इंवेस्टर समिट की तैयारियों में लगे जिला प्रशासन और अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भोपाल के चौराहों की आकर्षक सजाव्ट की जाये। भोपाल के आस-पास औद्योगिक क्षेत्रों के लिये जमीनें चिंहित कर लैंड बैंक की विस्तृत जानकारी तैयार कर ग्लोबल समिट में प्रदर्शित करें जिससे आई टी सेक्टर सहित अन्य उद्योगों में निवेश को आकर्षित किया जा सके। विश्व विद्यालयों और कॉलेजों के चयनित छात्र-छात्राओं की समिट में भागीदारी भी सुनिश्चित की जाये।

श्री काश्यप यहां भोपाल जिला पंचायत के सभा कक्ष में जनप्रनिधियों और अधिकारियों की बैठक ले रहे थें। इस बैठक में उन्होंने आगामी 24-25 फरवरी को भोपाल के इंद्रा गांधी राष्टीय मानव संग्राहालय में आयोजित होने वाली ग्लोबल समिट की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में विधायक भगवानदास सबनानी ने सुझाव दिया कि भोपाल के लोगों को लगना चाहिए कि उनके शहर में ग्लोबल समिट जैसा वृहद आयोजन हो रहा है, इसके लिए शहर के लोगों का सहयोग भी लिया जाना चाहिए। विधायक रामेश्वर शर्मा का सुझाव था कि ग्लोबल समिट से भोपाल को भी आई टी पार्क जैसी कोई बड़ी सौगात मिलना चाहिए। श्री काश्यप ने विधायकों के इन सुझावों का समर्थन किया और अधिकारियों को इन सुझावों को क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जानकारी दी कि समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और समापन केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह करेंगे। प्रभारी मंत्री ने ग्लोबल समिट से संबंधित सभी व्यवस्थओं को समय सीमा में पूर्ण करने की हिदायत दी। उन्होंने यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल पर पार्किंग व्यवस्था और सौंदर्यीकरण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समिट में आने वाले मेहमानों का आत्मीय स्वागत किया जाये और भोपाल में उत्सव जैसा माहौल बनाया जाये। मंत्री जी ने समिट में आने वाले मेहमानों के लिए होम स्टे की भी व्यवस्था करने को कहा। इस बैठक में विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामकुंवर नोरंग सिंह गुर्जर, भोपाल जिला भाजपा के पूर्व महामंत्री रविन्द्र यति उपस्थित थें। इन के

## सबसे ज्यादा रूफ टॉप सोलर इंदौर शहर में 13800 स्थानों पर लगे

**भोपाल।** सूरज की किरणों से बिजली तैयार कर पर्यावरण सुधार के साथ ही बिजली बिल में कमी करने को लेकर पश्चिम म.प्र. में अच्छा कार्य हुआ है। इस 12 फरवरी की स्थिति में पश्चिम म.प्र. यानि मालवा- निमाड़ में 25 हजार 250 स्थानों पर रूफ टॉप सोलर नेट मीटर यानि सौर ऊर्जा से बिजली तैयार की जा रही है। पश्चिम म.प्र. में सबसे ज्यादा सौर ऊर्जा से बिजली इंदौर शहर में 13 हजार 800 स्थानों पर तैयार हो रही है। पीएम सूर्य घर योजना लागू होने के बाद फरवरी 2024 से फरवरी 2025 के दूसरे सप्ताह तक पश्चिम म.प्र. में बारह हजार से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं ने सौर ऊर्जा उत्पादन प्रारंभ किया है। उच्चदाब और निम्न दाब के उपभोक्ताओं द्वारा अब कुल 25 हजार 250 स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा है। इन स्थानों में घर, बहुमंजिला इमारत, औद्योगिक परिसर, शासकीय कार्यालय की छतें, नगर निगम के कचरा ट्रांसफर स्टेशन की छतें, दुकानों की छतें, शासकीय कार्यालयों के पास की खाली जमीन इत्यादि स्थान, परिसर शामिल हैं। पीएम सूर्य घर योजना लागू होने के बाद पश्चिम मध्यप्रदेश में रूफ टॉप सोलर की कुल उत्पादन क्षमता 220 मेगावॉट से ज्यादा हो गई है। बिजली बिल में बचत, मेरी छत-मेरी बिजली की भावना के साथ ही पर्यावरण सुधार के लिए समर्पण को लेकर वर्तमान में शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक उत्साह बना हुआ है। प्रतिदिन रूफ टॉप सोलर के लिए आवेदन बिजली कार्यालय और कंपनी के पोर्टल पर पहुंच रहे हैं।

**कहां कितने सोलर संयंत्र:** इंदौर शहर सीमा में 13800, उज्जैन जिले में 2525, देवास जिले में 1015, रतलाम जिले में 1060, खरगोन जिले में 1050, नीमच जिले में 680, मंदसौर जिले में 670 और बड़वानी जिले में 650 सोलर संयंत्र हैं।

## जन्म दिवस पर रविन्द्र यति का कोलार में जोरदार स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति का जन्मदिवस पर कोलार के राजवेद राजहर्ष कॉलोनी एकता पार्क में जोरदार स्वागत किया गया। राजवेद राजहर्ष कॉलोनी जन कल्याण विकास समिति एवं क्षत्रिय लोनारी कुन्बी समाज युवा संगठन कोलार के सहयोग से शुक्रवार शाम को आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थनीय रहवासी उपस्थित रहे। इस मौके पर यहां एक शाम श्रीराम जी के नाम भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। इसमें गायक कलाकारों ने भजनों एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आयोजक राजू पाटनकर, अशोक पटेल, नवीन वर्मा एवं दुर्गादास देशमुख सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे।

### कृषक प्रशिक्षण का समापन

**संत हिरदाराम नगर।** भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, फंदा के निदेशक डॉ. जी. पी. दीक्षित और क्षेत्रीय केंद्र फंदा के प्रभारी डॉ. दिबेंदु दत्ता के निर्देशन मे तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, 11 फरवरी से 13 फरवरी 2025 के बीच किया गया। इस कृषक प्रशिक्षण मे दलहनी फसलों के उत्पादन तकनीकों के बारे मे मूलरूप से बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान दलहनी फसलों मे कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. गीतांजली सहाय, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. आर. के. मिश्रा, डॉ. सुरेन्द्र घृतलहरे, डॉ. निधी कुमारी, श्री अमित भटोरे , आर. ए. के. कॉलेज सिहोर से डॉ. सचिन बालपेंडे तथा मृदा विज्ञान संस्थान से डॉ. शिनीगी के. सी. ने दलहनी फसलों की खेती को बेहतर करने के लिए अलग-अलग विषय पर सम्बोधन दिया। इस कार्यक्रम मे भोपाल और सीहोर जिलों से 28 किसान सम्मलित रहे। कार्यक्रम के समापन मे सभी किसानों को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र के साथ-साथ मूँग फसल का बीज भी वितरित किया गया। इस प्रशिक्षण मे सभी सम्मिलित किसानों ने, भविष्य मे भी इस तरह के होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों मे भाग लेने की रूचि व्यक्त कि।

**भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी रविदास जयंती के अवसर पर संत रविदास मंदिर बरखेड़ा में आयोजित प्रदेश स्तरीय संत रविदास जयंती समारोह एवं संत रविदास स्वरोजगार मेले में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के तहत सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में भी आयोजित किया गया, इस अवसर पर नव विवाहित जोड़ों को अपना आशीर्वाद देकर उन्हें सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यति भी उपस्थित रहे।**

## प्रदेश अध्यक्ष के चयन से पहले बीजेपी में पक रही खिचड़ी, केंद्र में आए नरोत्तम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश बीजेपी में अंदरखाने कुछ तो पक रहा है। प्रदेश के नेताओं की अचानक शीर्ष नेतृत्व से बढ़ी मेल-मुलाकातें तो इसी तरफ इशारा कर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार, 13 फरवरी को दिल्ली प्रवास के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इससे पहले वीडी शर्मा शाह से मिले थे। उनसे पहले डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

इन मुलाकातों की तस्वीरें सोशल मीडिया में आने के बाद सभी नेताओं ने इसे अपनी पार्टी के अनुशासन तले सौजन्य और शिष्टाचार भेंट ही करार दिया, लेकिन ये पूरी सियासी इबारत प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर लिखी जा रही है।

गौरतलब है कि भारी रस्साकसी के बीच जिला अध्यक्षों के चुनाव हो गए हैं। बीजेपी ने इसमें भी बेहद खास रणनीति अपनाई। सभी जिलों के अध्यक्षों की सूची रात 9 बजे के बाद जारी की गई। वैसे तो कहीं सीधे तौर पर विरोध के सुर नहीं फूटे, लेकिन कुछेक जिलों में जहां विरोध उठा भी, वहां सुबह होने से पहले ही समन्वय कर लिया गया।

**पांच दिन में तीन बड़े नेता बंगले पर पहुंचे:** अब मामला प्रदेश अध्यक्ष पर आ टिका है। सूबे में एक महीने से सियासी गुणा-भाग लगाए जा रहे हैं। तमाम प्रस्तावित नामों के बीच नरोत्तम मिश्रा इन दिनों एकदम से चर्चाओं में उभरे हैं। पिछले पांच दिन में बीजेपी के तीन बड़े नेता नरोत्तम मिश्रा से उनके बंगले पर जाकर मिल चुके हैं। 9 फरवरी को बीजेपी के वरिष्ठ नेता व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नरोत्तम से मुलाकात की थी। फिर 12 फरवरी को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, मंत्री तुलसी सिलावट और पूर्व मंत्री प्रभुराम चौधरी के साथ नरोत्तम के बंगले पर पहुंचे और बंद कमरे में उनसे बातचीत की। अब 13 फरवरी को बीजेपी मध्यप्रदेश के प्रभारी डॉ.महेंद्र सिंह ने नरोत्तम के बंगले पर पहुंचकर उनसे चर्चा की। इससे पहले बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल जैसे नेताओं से भी नरोत्तम की बात हुई है।

**आखिर क्या हैं इन मुलाकातों के मायने?:** अब ये क्या नरोत्तम की प्रेशर पॉलिटिक्स है? वे क्या चाहते हैं? क्या बीजेपी उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप रही है अथवा बीजेपी उन्हें साधकर किसी तरह का डैमेज कंट्रोल कर रही है...ये तो तय नहीं है, लेकिन जिस तरह से सियासी मेल मुलाकातों का दौर चल रहा है, उससे ये पक्का है कि अंदर ही अंदर कोई सियासी खिचड़ी पक रही है। हालांकि राजनीति के जानकार इसे दूसरे नजरिए से भी देखते हैं। इसके पीछे वे बीजेपी की रणनीति बताते हैं। होता कुछ यूं है कि जिस नेता का नाम चर्चा में लाया जाता हैं, मीडिया और बाकी नेताओं का फोकस उसकी तरफ हो जाता है और यहां बीजेपी के नंबर 1, नंबर 2 कोई और ही नाम लाकर सियासत को नया आयाम दे देते हैं।

**चुनाव प्रभारी की औपचारिक बैठक होना बाकी :** कुल मिलाकर दिल्ली में बीजेपी की जीत के बाद अब वहां मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होना है। इसी बीच मध्यप्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर भी मुहर लग जाएगी। इसे लेकर सियासी गलियारों में हलचल तेज है। बीते डेढ़ महीने से पार्टी के अंदरूनी खेमों में गहन मंथन चल रहा है, जिसमें प्रदेश से लेकर केंद्रीय स्तर तक कई दौर की चर्चाएं हो चुकी हैं। अब अंतिम निर्णय से पहले केंद्रीय मंत्री व मध्यप्रदेश के लिए नियुक्त चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान की औपचारिक बैठक होनी है, जिसके बाद तस्वीर और साफ हो जाएगी।

**राजनीतिक समीकरणों के केंद्र में नरोत्तम मिश्रा:** वैसे अचानक नरोत्तम मिश्रा के केंद्र में आने के पीछे एक वजह यह भी बताई जाती है कि बीजेपी जिस तरह से राज्यों में सोशल इंजीनियरिंग कर रही है, उससे वीडी शर्मा के रिप्लेसमेंट के रूप में नरोत्तम सबसे मुफीद किरदार होंगे। अव्वल तो वे सामान्य वर्ग से आते हैं, दूसरा केंद्र में भी उनकी पूछपरख है। उन्हें हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जहां उनके प्रभार वाली सीटों पर बीजेपी प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। इस सफलता ने पार्टी नेतृत्व की नजर में उनका कद और बढ़ा दिया है। ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रदेश संगठन में उन्हें कोई बड़ी भूमिका मिल सकती है।

## इस वैलेंटाइन युवा दिलों में धड़केगा मध्य प्रदेश का निकला हुआ गीत

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में प्रतिभाएं किसी से भी कम नहीं है भोपाल मध्य प्रदेश के लोकल कलाकारों जिनमे इटारसी की मशहूर टीवी अभिनेत्री और बिगबॉस 18 फेम्स मुस्कान बामने, बॉलीवुड सिंगर आकृति मेहरा , छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश के जाने माने गीतकर और संगीतकार एस आर डेहरिया , भोपाल के ही संगीत प्रोड्यूसर राजू राव , प्रतिभाशाली एंकर मोनिका अहेलिया ने मिलकर वैलेंटाइंस डे के मौके पर देश और दुनिया के युवाओं के लिए दो बेहतरीन गीतों तुमसे मोहब्बत और नादान दिल का तोहफा दिया है जो एसएमडब्ल्यू फिल्म्स प्रोडक्शन भोपाल से रिलीज़ किया गया है द्य दोनों ही गीत बहुत ही रोमांटिक और मधुरता लिए हुए हैं जो की युवाओं के लिए प्यार के इज़हार का माध्यम बनेगे द्य नितेश तिवारी के निर्देशन और रोहन मेहरा, मुस्कान बामने, वरुण बुद्धदेव, अविनाश मुखर्जी, ऐश्वर्या तिवारी और जूही पाल की शानदार अभिनय से सजे हुए दोनों गीत 14 फरवरी को युवा दिलों की धड़कन बढ़ाने वाले है।

## उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, घरेलू खेती को मजबूत करना

**भोपाल।** इन्दौर को उद्घाटन सत्र में भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के साथ-साथ भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्री, नीति निर्माता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि और उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे। इसमें भाग लेने वाले अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में उपभोक्ता मामलों के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद जोशी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री चिराग पासवान, महाराष्ट्र राज्य के विपणन एवं प्रोटोकॉल मंत्री श्री जयकुमार रावल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के माननीय सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, उपभोक्ता मामलों के विभाग की माननीय सचिव श्रीमती निधि खरे और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के माननीय सचिव श्री सुब्रत गुप्ता शामिल हैं। सत्र की शुरुआत आईपीजीए के अध्यक्ष बिमल कोठारी के भाषण से होगी, जिसके बाद ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन के अध्यक्ष विजय अयंगर अपने विचार रखेंगे। दूसरा पूर्ण सत्र विदेशी गणमान्य व्यक्तियों और विदेशी मिशनों के प्रमुखों पर केंद्रित होगा, जिसमें प्रमुख वक्ता जैसे कि तंजानिया के माननीय उप प्रधान मंत्री डॉ. डोटो मशाका बिटेको, ब्राजील के गोइआस के गवर्नर श्री रोनाल्डो कैआडो, कनाडा के सस्केचवान प्रांत के माननीय कृषि मंत्री श्री डेरिल हैरिसन, म्यांमार के वाणिज्य मंत्रालय के उप मंत्री महामहिम श्री मिन मिन और म्यांमार के कृषि, पशुधन और सिंचाई के उप मंत्री महामहिम डॉ. टिन हट्ट शामिल होंगे। अन्य प्रतिष्ठित प्रतिभागियों में भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त महामहिम श्री फिलिप ग्रीन, भारत में तंजानिया की उच्चायुक्त महामहिम सुश्री अनीसा मबेगा, भारत में ब्राजील के राजदूत महामहिम केनेथ दा नोब्रेगा और भारत में अर्जेंटीना के राजदूत महामहिम श्री मारियानो अगस्टिन काउसिनो भारत में कजाकिस्तान के राजदूत श्री नूरलान झालगासबायेव और यूएसए कृषि विभाग के मंत्री सलाहकार श्री गर्थ थॉर्नबर्न शामिल हैं।

## दसवीं और बारहवीं की छात्राओं हेतु परीक्षा पूर्व तैयारी पर विशेष सत्र का आयोजन

**संत हिरदाराम नगर।** चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल के सभागार में कक्षा दसवीं और बारहवीं की छात्राओं हेतु परीक्षा पूर्व तैयारी विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में विशेष रूप से सिद्ध भाऊ, घनश्याम बूलचंदानी, प्रिया जैन शर्मा, लता आसनानी, शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं कक्षा दसवीं और बारहवीं की छात्राएँ उपस्थित रहीं। सिद्ध भाऊ ने अपने प्रेरक उद्बोधन में छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, अनुशासित दिनचर्या बनाने, प्रात:काल अध्ययन करने, संतुलित आहार लेने, मोबाइल का सीमित उपयोग करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु सामान्य ज्ञान व समाचार पत्र के अध्ययन पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत, समय प्रबंधन, ध्यान केंद्रित कर अध्ययन करने तथा परीक्षा संबंधी तैयारी हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। छात्राओं को यह समझाया कि बिना साधना के सिद्धि प्राप्त नहीं होती। विद्यार्थी को एक योगी की भाँति त्याग, तपस्या, मेहनत और एकाग्रता के साथ अध्ययन करना चाहिए। परीक्षा के समय आवश्यक सामग्री जैसे एडमिट कार्ड, पेन, पेंसिल, स्केल, पानी की बोतल एवं मिश्री आदि की उचित व्यवस्था रखने की भी सलाह दी गई। परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र पढ़कर घबराए बिना शांतचित्त होकर उत्तर लिखने एवं समय प्रबंधन का ध्यान रखने पर भी विशेष जोर दिया गया।

## बोरवन पार्क को संवारने का काम जारी, विधायक का माना आभार

**संत हिरदाराम नगर।** स्वास्थ्य संजीवनी कहे जाने वाले दीनदयाल बोरवन पार्क को व्यवस्थित करने और निखारने संवारने में वनकर्मी निरंतर लगे हुए हैं। यहां पर लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं, पार्क में 64 लाख की लागत से बाउंड्री वाल का निर्माण किया गया है। वहीं महिला और पुरुष वॉशरूम, सड़कों पर डस्ट, रोड स्कार्टिंग पर कलर के साथ-साथ तरह-तरह के पौधों को लगाया जा रहा है। क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी, शेट्टी चंदनानी, सुरेश गेहानी, सुनील दादलानी,दिनेश सोनी सहित मीडिया प्रभारी रवि नारायण सतानी ने पार्क के रख रखाव और होने वाले विकास कार्यों के लिए विधायक रामेश्वर शर्मा का आभार व्यक्त किया।

# वर्चुअल टूर से मिलेगी मध्यप्रदेश के इतिहास और संस्कृति की जानकारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## विदेशी पर्यटकों की संख्या में होगी वृद्धि

## फिनलैंड की संस्था वी रियल बनाएगी प्रदेश के पर्यटन स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों पर वर्चुअल टूर

## एमपी टूरिज्म बोर्ड और वी रियल संस्था के बीच हुआ एमओयू

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में गुरूवार को एमपी टूरिज्म बोर्ड और फिनलैंड की संस्था वी रियल के बीच प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और संग्रहालयों पर आधुनिक तकनीक का उपयोग कर वर्चुअल टूर तैयार करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीवंत अनुभूति देने वाले इन वर्चुअल टूर के माध्यम से अब पर्यटन, इतिहास और संस्कृति में रूचि रखने वाले व्यक्ति, अपने देश में रहते हुए मध्यप्रदेश के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सकेंगे। इससे प्रदेश के पर्यटन स्थलों और एतिहासिक धरोहरों का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने में मदद मिलेगी और विश्व के विभिन्न देशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में भारत में फिनलैंड के राजदूत श्री किम्मो लाहदेविर्ता का शॉल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और संस्कृति को प्रदर्शित करती कॉफी टेबल बुक भेंट की।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि फिनलैंड की कंपनी वी-रियल द्वारा इतिहास, संस्कृति, और धरोहर का उन्नत तकनीक के माध्यम से वीडियो निर्माण कर संरक्षित और पुनर्जीवित किया जाता है। कंपनी इस वर्चुअल टूर को अपने प्लेट फार्म पर उपलब्ध कराती है, जो वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक संस्थाओं सहित टूर और ट्रैवल संस्थानों सहित आम नागरिकों के लिए उपलब्ध रहते हैं। आज हुए इस एमओयू से मध्यप्रदेश के इतिहास और संस्कृति की अद्यतन जानकारी वर्चुअल स्वरूप में वैश्विक स्तर पर सहज रूप से उपलब्ध होगी। एमओयू हस्ताक्षर अवसर पर अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी, वी रियल संस्था के सीईओ श्री जोहानेस स्वॉर्डस्टॉर्म सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### शीघ्र बनेगी ड्रोन डेटा रिपॉजिटरी और प्रारंभ होगा ड्रोन स्कूल

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को ड्रोन निर्माण और प्रौद्योगिकी का प्रमुख हब बनाने के लिए समग्र कार्य योजना तैयार की गई है। राज्य सरकार ने ड्रोन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिये मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 को स्वीकृति दे दी है। इसमें ड्रोन के सुरक्षित और कुशलतम उपयोग के माध्यम से नवाचार, आर्थिक समृद्धि और रोजगार को बढ़ावा देने वाले विषयों एवं तथ्यों को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश में ड्रोन टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही ड्रोन डेटा रिपॉजिटरी भी बनाई जायेगी। प्रधानमंत्री गति शक्ति पहल से प्रेरित होकर ड्रोन नीति सरकार के ड्रोन डेटा और इमेजरी के लिए एक केन्द्रीकृत प्लेटफॉर्म होगा।

ड्रोन डेटा रिपॉजिटरी विभिन्न विभागों के मध्य परस्पर डेटा साझा करने और सहयोग को बढ़ावा देगी। यह नीति जीआईएस आधारित योजना और विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करके बेहतर निगरानी तंत्र विकसित करेगी। यह रिपॉजिटरी तत्काल अद्यतन निगरानी सुविधा प्रदान करेगी, जिससे संसाधनों का त्रुटिरहित आवंटन होगा और अधोसंरचनात्मक विकास में सहयोग मिलेगा।

# महाशिवरात्रि पर्व से आरंभ होगा विक्रमोत्सव-2025, प्रदेश के 48 शिवरात्रि मेलों का होगा शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में महाशिवरात्रि पर्व 26 फरवरी से विक्रमोत्सव-2025 का आरंभ होगा। सृष्टिकर्ता महादेव के महोत्सव से सृष्टि के आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा 30 मार्च तक चलने वाला विक्रमोत्सव, सम्राट विक्रमादित्य के युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर केंद्रित रहेगा। इसके अंतर्गत साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही ज्योतिर्विज्ञान, विचार गोष्ठियाँ, इतिहास और विज्ञान समागम, विक्रम व्यापार मेला, लोक एवं जनजातीय संस्कृति पर आधारित गतिविधियाँ संचालित होंगी। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के ऐप के प्रवर्तन, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, वस्त्रोद्योग, हथकरघा उपकरणों की प्रदर्शनी के साथ क्षेत्रीय, पौराणिक फिल्मों के महोत्सव और श्रीकृष्ण पर केन्द्रित विशेष फिल्मों का प्रदर्शन और प्रस्तुतियाँ भी विक्रमोत्सव का हिस्सा रहेंगे। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के साथ ही शोधपरक पुस्तकों, ग्रन्थों का लोकार्पण और विक्रम पंचांग का प्रकाशन भी होगा। सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को समाहित किए विरासत से विकास का यह विक्रमोत्सव अपने आप में अनूठा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में विक्रमोत्सव-2025 की आयोजन समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमोत्सव के कैलेंडर का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रमोत्सव का आयोजन, सम्राट विक्रमादित्य के बहुआयामी व्यक्तित्व की गरिमा के अनुरूप हो। कार्यक्रम का प्रारंभ अत्यंत निकट है, अत: सभी विभाग, समन्वयपूर्वक निर्धारित समय से पहले ही सभी तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। आयोजन के सहभागी बनने वाले सभी विद्वतजन, कलाकारों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों का स्वागत और व्यवस्था अतिथि देवो भव: के भाव से की जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि महाशिवरात्रि पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार का कष्ट न हो और पर्व की व्यवस्थाएं भी प्रभावित नहीं हों।

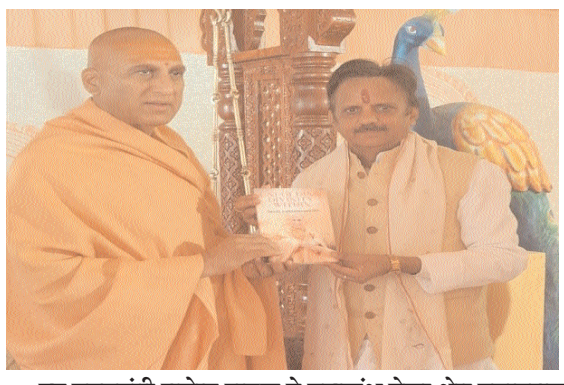

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाकुंभ मेला क्षेत्र प्रयागराज में जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाकुंभ मेला क्षेत्र प्रयागराज में स्वामी राघवाचार्य से भेंट कर शुभाशीष प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाकुंभ मेला क्षेत्र प्रयागराज में श्री कार्ष्णि आश्रम (रमणरेती धाम) में कार्ष्णिपीठाधीश्वर श्री गुरुशरणानंद जी महाराज भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया।

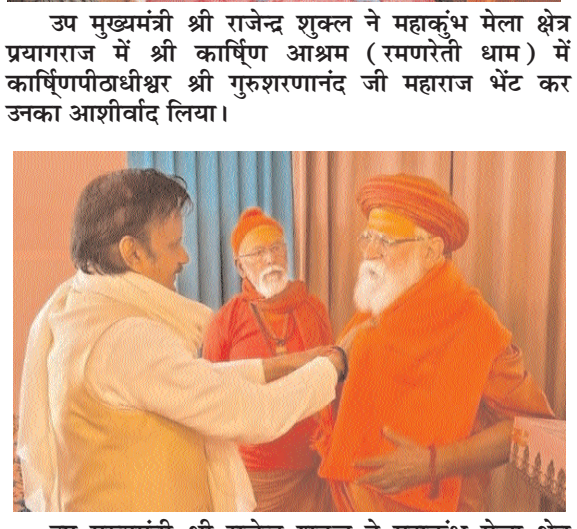

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाकुंभ मेला क्षेत्र प्रयागराज में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी श्री गोविंददेव गिरी जी महाराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया।

# मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में कमी के लिये समन्वित प्रयास आवश्यक: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

## संभाग स्तरीय बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग को समन्वित प्रयास करना होगा। ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ताएँ व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन करें तथा प्रतिमाह उन्हें चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाय। उप मुख्यमंत्री ने कमिश्नर कार्यालय सभागार रीवा में स्वास्थ्य सूचकांक, एएनसी पंजीयन व संस्थागत प्रसव सहित स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर में सुधार की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला पूरी संवेदनशीलता के साथ घर-घर जाकर गर्भवती माताओं का शत-प्रतिशत पंजीयन करते हुए उन्हें प्रतिमाह व तिमाही में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाएँ दें तथा उनकी जांच कराये ताकि वह महिलाएँ हाईरिस्क में न जा पाये। उन्होंने कहा कि हाईरिस्क में यदि गर्भवती महिला पहुंचती है तो उसको समय समय पर उपचार दिया जाय। तदुपरांत उसका संस्थागत प्रसव कराकर सुरक्षित किया जाय।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अधोसंरचना विकास के अनेक कार्य संचालित हैं। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में अस्पताल भवनों के निर्माण के साथ ही पर्याप्त दवाइयों की उपलब्धता, डॉक्टर्स व पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति के कार्य प्राथमिकता से किये जा रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि मैदानी अमला पूरी निष्ठा से कार्य करें तथा जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी गंभीरता से मानीटरिंग करें व क्षेत्र का नियमित भ्रमण करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रतिमाह की 9 एवं 25 तारीख को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की मानीटरिंग की जाय ताकि इसका अधिक से अधिक आउटपुट निकले। उप मुख्यमंत्री ने अपेक्षा की कि गर्भवती महिलाओं के परिजनों को भी उसके स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये जागरूक किया जाय जिससे जच्चा व बच्चा स्वस्थ्य रहे।

उप मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से अपेक्षा की कि वह क्षेत्र का भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की सतत मॉनिटरिंग करें।कमियों को दूर करने के लिये प्रयास करें। उन्होंने रीवा संभाग का व्हाट्सअप ग्रुप बनाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रगति की नियमित जानकारी शेयर करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने अपेक्षा की कि रीवा संभाग में समन्वित प्रयासों से शिशु मृत्यु दर व मातृ मृत्यु दर में कमी लाने में सफलता मिलेगी और इसकी लिये प्रतिमाह रिव्यू बैठक की जायेगी। कमिश्नर रीवा संभाग श्री बीएस जामोद, कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एसजी, कलेक्टर मऊगंज श्री अजय श्रीवास्तव, कलेक्टर मैहर सुश्री रानी वाटड, सीईओ जिला पंचायत रीवा एवं सीधी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंगरौली व्हीसी के माध्यम से बैठक में जुड़े। इस दौरान स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के रीवा संभाग के जिलों के अधिकारी उपस्थित रहे।

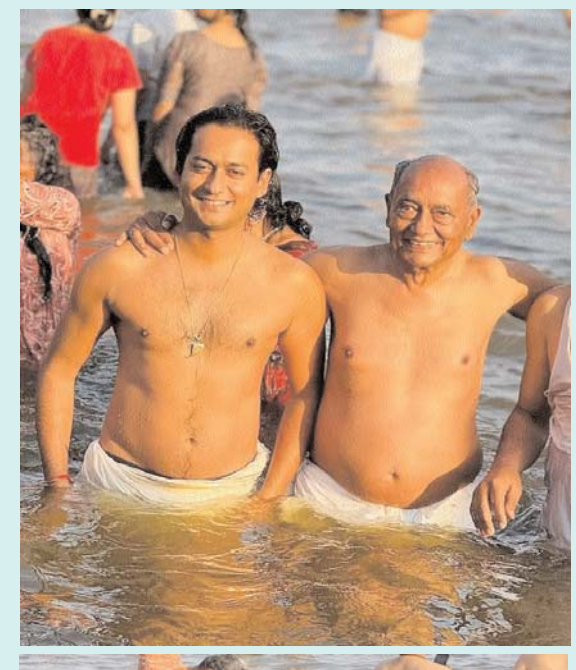

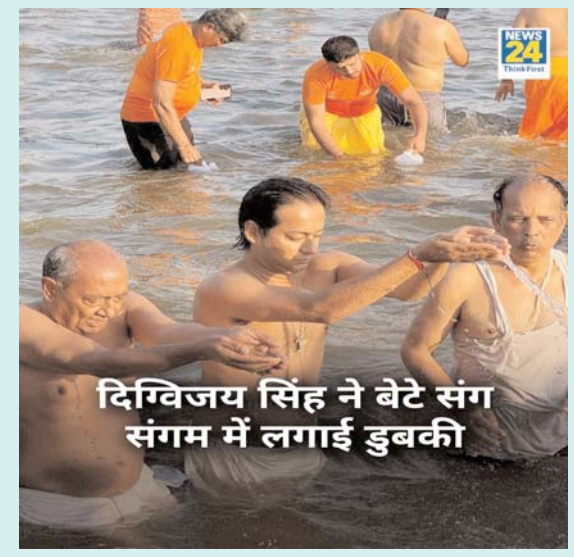


# मंत्री सारंग ने हिमाचल से आये युवा प्रतिभागियों से किया संवाद

**भोपाल।** खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरूवार को भोपाल स्थित आईकफ आश्रम, शाहपुरा में आयोजित अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2024-25 के समापन अवसर पर हिमाचल प्रदेश से आए युवा प्रतिभागियों से संवाद किया और उनके अनुभव जाने। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भारत विविधताओं से संपन्न देश है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी विशेषता अनेकता में एकता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से अन्य राज्य के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं, भाषा और जीवनशैली को समझने का अवसर मिला है, जिससे राष्ट्रीय एकता और सद्भाव को मजबूती मिलेगी। मंत्री श्री सारंग ने सभी प्रतिभागियों को अपने अनुभवों को अपने राज्य में साझा करने और राष्ट्रीय एकता के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विधायक अमर सिंह यादव, नेहरू युवा केन्द्र के राज्य निदेशक राकेश सिंह तोमर और भोपाल की जिला युवा अधिकारी निक्की राठौर भी उपस्थित थीं। मंत्री सारंग ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को दोहराते हुए युवाओं को प्रेरित किया कि वे नए भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है और यदि युवा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें, तो भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने का सपना जल्द ही साकार होगा। उन्होंने युवाओं से नवाचार, तकनीक, स्वच्छता, योग, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को अपनाने की अपील की, जिससे वे देश के विकास में अपना सार्थक योगदान दे सकें। मंत्री श्री सारंग के विचारों से प्रेरित होकर हिमाचल प्रदेश से आये युवा बहुत हर्षित दिखे। युवाओं ने मंत्री श्री सारंग को हिमाचल प्रदेश आने और स्वयं के घर रुकने का न्यौता भी दिया। पांच दिवसीय अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के नाह (सिरमौर), धर्मशाला (कांगड़ा), ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर जिलों से आए 25 युवा प्रतिभागी एवं 2 एस्कॉर्ट ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भीमबेटका, बिरला मंदिर, शौर्य स्मारक, आदिवासी संग्रहालय और भोपाल के तालाबों का भ्रमण कर मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को समीप से जाना।

## भारतीय संस्कृति और कलाओं से परिचित करातीं अनुषांगिक गतिविधियां होंगी आकर्षण

# 51वां खजुराहो नृत्य समारोह 20 से 26 फरवरी तक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा है कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट खजुराहो के एक हजार वर्ष प्राचीन मंदिरों की दिव्य आभा में 51वां खजुराहो नृत्य समारोह 20 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया जायेगा। खजुराहो स्थित कंदरिया महादेव मंदिर एवं देवी जगदंबा मंदिर प्रांगण के मध्य में आयोजित होने वाले इस अंतर्राष्ट्रीय नृत्य समागम की भव्यता वर्ष अपने उत्कर्ष पर होगी। समारोह में इस वर्ष कई नए आयाम तथा अनुषांगिक गतिविधियां शामिल की गई हैं। सभी प्रमुख भारतीय शास्त्रीय नृत्यों कथक, भरतनाट्यम, कुचीपुड़ी, ओडिसी आदि के साथ शास्त्रीय नृत्य मैराथन (रिले) प्रस्तुति की जा रही है, जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करने का प्रयास किया जाएगा। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह के मंच को बहुत ही सम्मान और आदर के साथ देखा जाता है। यहां प्रस्तुति देना किसी भी नृत्य कलाकार के लिए गर्व की बात होती है। इसे ध्यान में रखते हुए 51वें खजुराहो नृत्य समारोह में होने वाली गतिविधियों को विस्तार एवं व्यापकता देने का प्रयास किया गया है। कला प्रेमी नृत्य के साथ ही अन्य कला माध्यमों का भी आनंद ले सकें। राज्य मंत्री श्री लोधी जनजातीय संग्रहालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 51वें खजुराहो नृत्य समारोह का शुभारम्भ करेंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य रूपंकर कला पुरस्कार अलंकरण समारोह भी आयोजित किया जाएगा। समारोह में नृत्य प्रस्तुतियां प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से प्रारम्भ होंगी। अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह का आयोजन मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्यप्रदेश पर्यटन एवं छतरपुर जिला प्रशासन के सहयोग से किया जाता है। इस अवसर पर संचालक संस्कृति श्री एन.पी.नामदेव, निदेशक, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी डॉ. धर्मेंद्र पारे उपस्थित रहे। सबसे लंबे वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन (रिले) प्रस्तुति में निरन्तर 24 घंटे से भी अधिक नृत्य प्रस्तुतियां होंगी। यह गतिविधि आदिवर्त संग्रहालय, खजुराहो में होगी। गतिविधि का शुभारम्भ 19 फरवरी, 2025 को दोपहर 2:00 बजे होगा जो निरन्तर 20 फरवरी, 2025 को सायं 5:00 बजे तक आयोजित की जाएगी।

# मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना किसानों के लिए वरदान: कृषि मंत्री कंषाना

**भोपाल।** किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना किसानों के लिए वरदान है। यह योजना प्रदेश के किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। साथ ही कृषकों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से भी 6 हजार रूपये प्रति वर्ष की सहायता मिल रही है। इस प्रकार किसानों को साल में 12 हजार रुपए प्राप्त हो रहे हैं। विगत 10 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा देवास में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 की तृतीय किस्त और कुल 11वीं किस्त का सिंगल क्लिक के माध्यम से भुगतान किया गया। योजना के तहत 81 लाख से अधिक किसानों को लाभ प्राप्त हुआ। किसानों के बैंक खातों में 1624 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। योजना का लाभ पाकर

प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है। छिंदवाड़ा जिले के किसान कमल धुर्वे इसका एक उदाहरण हैं। पहले आर्थिक परेशानियों के चलते उन्हें खेती के काम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया जिसके बाद पहली किस्त के 2 हजार रुपये उनके खाते में आ गए। कमल धुर्वे कहते हैं कि यह आर्थिक सहायता छोटे किसानों के लिए बड़ा सहारा है। अब वे बिना चिंता के कृषि कार्यों में लग सकते हैं और आदानों की व्यवस्था सुगमता से कर पा रहे हैं। ग्राम गांगीवाड़ा के किसान दिनेश परतेती, ग्राम चारगांव के सेवकराम चौरिया, ग्राम भानादेही के लालसिंह अहके, ग्राम मानेगांव के संदीप सूर्यवंशी, पंकज करपे और राजेश कुमार करपे जैसे किसान भी इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। इन किसानों का कहना है कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना ने उन्हें आर्थिक संबल दिया है(

# पूँजीगत व्यय को रोकिए, ज़्यादा है

राकेश दुबे

देश में सबको नए आयकर नियम का इंतज़ार है, वैसे पिछले तीन-चार साल में सार्वजनिक व्यय पर बहुत ज्यादा जोर देने के बाद सरकार ने खपत और वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आय कर कटौती की मदद लेने का निश्चय किया है। पूंजीगत व्यय अब भी ज्यादा है मगर उसमें ठहराव आया है।

संसद में प्रस्तुत बजट में जो पूंजीगत व्यय बताया गया है उसका काफी हिस्सा बिहार को आवंटित किया गया है क्योंकि वहां विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। बाकी खर्च पहले से चल रही परियोजनाएं पूरी करने के लिए होगा। अब सरकार को उम्मीद है कि मध्य वर्ग के लिए आयकर में अच्छी-खासी कमी करने से खपत बढ़ेगी और आखिरकार निजी क्षेत्र का निवेश बढ़ेगा।

वैसे सरकार ने करीब 1 लाख करोड़ रुपये की आयकर कटौती का प्रस्ताव रखा है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.3 प्रतिशत के बराबर है, लेकिन इसका फायदा 4.7 करोड़ शहरी करदाताओं को ही मिलेगा। अगर मान लें कि इस कटौती के कारण बचे हर 1 रुपये में से 80 पैसे खर्च किए जाते हैं तो भी प्रत्यक्ष सरकारी व्यय के मुकाबले इसका असर कम रहेगा। अगर इसका कुछ हिस्सा ऐसे खाद्य पदार्थों पर खर्च होता है, जिनकी आपूर्ति कम है तो क्या इससे महंगाई भी बढ़ेगी और मौद्रिक नीति ज्यादा जटिल हो जाएगी?

नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनैंस ऐंड पॉलिसी में हुए शोध से पता चला कि कंपनियों द्वारा निवेश मुख्य रूप से क्षमता के इस्तेमाल, प्रतिस्पर्द्धात्मकता और ऋण की उपलब्धता पर निर्भर करता है। पूंजीगत व्यय का ज्यादा असर कंपनियों के अलावा हो रहे निवेश - खास तौर पर आवास तथा रिटेल में हो रहे निवेश - पर पड़ता है। इसलिए अगर कंपनियों का निवेश बढ़ाना ही मकसद है तो पूंजीगत व्यय पर निर्भर रहने के बजाय कर कटौती की मदद से खपत बढ़ाने का तरीका आजमाया जा सकता है क्योंकि इससे क्षमता का अधिक इस्तेमाल होगा।

2023-24 में कंपनियों को रिकॉर्ड मुनाफा हुआ और निफ्टी 500 कंपनियों का जीडीपी-मुनाफा अनुपात बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गया, जो 2007-08 के बाद से सबसे अधिक रहा। फिर भी निजी निवेश नहीं बढ़ा है। कंपनियों को यह रिकॉर्ड मुनाफा भी बिक्री बढ़ाकर क्षमता का अधिक इस्तेमाल करने से नहीं हुआ है बल्कि श्रम पर आ रहा खर्च कम करने से हुआ है। कॉरपोरेट क्षेत्र की नॉमिनल बिक्री केवल 6 प्रतिशत बढ़ी है। विडंबना यह है कि 2019 में कॉरपोरेट कर घटाने से सरकार को पिछले पांच साल में 7-8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। कंपनियों ने कर कटौती से हुई बचत का बहुत कम हिस्सा निवेश किया। अगर सरकार ने कॉरपोरेट कर कटौती के बजाय 2019 में मध्य वर्ग के लिए आयकर घटा दिया होता तो अर्थव्यवस्था को ज्यादा फायदा मिला होता।

आर्थिक समीक्षा में भी निजी निवेश में कमी के लिए अत्यधिक विनियमन वाली अर्थव्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया गया है। उसमें भी भरोसे पर आधारित नियामक प्रणाली की वकालत की गई है यानी जब तक किसी की गलती साबित नहीं होती है तब तक वह निर्दोष ही रहेगा इसका उलटा नहीं। बजट में विनियमन की योजना का मसौदा तैयार करने के लिए एक और समिति बनाने का प्रस्ताव है।

ध्यान रहे कि नियामकीय सफाई तो जरूरी है मगर इसके तत्काल परिणाम नहीं आएंगे। गंभीरता दिखाने के लिए बजट में कुछ ऐसे उपाय घोषित किए जा सकते थे, जिनसे नियमन में फौरन कमी आए। शोध एवं विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी कम रहने के कारण समझने पर जोर दिया जाना स्वागत योग्य कदम है। शोध एवं विकास पर खर्च को जीडीपी के प्रतिशत के रूप में देखें तो भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है मगर निजी क्षेत्र के लिए यही आंकड़ा देखें तो भारत बहुत पीछे है।

शोध एवं विकास पर होने वाला खर्च सार्वजनिक संस्थानों के जरिये होता है, जो आम तौर पर अलग-थलग रहते हैं और विश्वविद्यालयों तथा निजी क्षेत्र के साथ न के बराबर संवाद करते हैं। उस खर्च का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाए जाने की भी जरूरत है। शोध एवं विकास कोष बनाने की सरकार की कोशिश संवाद बढ़ाने के लिए ही है। मध्य वर्ग को कर में राहत स्वागतयोग्य है और जनता इसे पसंद भी बहुत करेगी।

# त्यौहार-संस्कृति एवं जीवन-संस्कारों को धुंधलाने का दौर

ललित गर्ग

पाश्चात्य अंधानुकरण के कारण हमने न केवल भारतीय त्यौहारों के रंगों को धुंधला दिया है, बल्कि वैलेनटाइन डे जैसे पर्वो को महिमामंडित कर दिया है। भारत के प्रत्येक भू-भाग के अपने त्यौहार हैं, कुछ समान हैं तो कुछ उस भू-भाग की विशिष्टता लिए। परंतु इन्हें भी विकृत करने का व्यापक प्रयास हो रहा है। हमने अपने त्यौहारों को विकृत करने में कोई कमी नहीं रखी है, यही कारण है कि कुछ त्यौहार मद्यपान से जुड़ गए हैं, तो कुछ जुए से, कुछ कीचड़ से सन जाते हैं, तो कुछ लेन-देन के अवसर बन गए हैं। कुछ के साथ अश्लीलता एवं फुहड़ता जुड़ गयी है। इतना ही नहीं हमारी त्यौहारों की समृद्ध परंपरा को धुंधलाने के भी सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और बड़े व्यावसायिक संस्थान अपने लाभ के लिए देश में ऐसे उत्सवों/पर्वों को स्थापित कर रहे हैं, जिनका हमारी संस्कृति से मेल नहीं है। फेमिली डे, मदर डे, फादर डे, वैलेनटाइन डे-ऐसे आधुनिक पर्व हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियाँ एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया महिमामंडित कर रहे हैं। अपने आपको आधुनिक कहने वाले परिवारों एवं लोगों के लिए दीपावली, होली, रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्वों की तुलना में ये आधुनिक पर्व ज्यादा महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हैं। आखिर क्यों? हम अपने ही देश एवं अपनी संस्कृति के बीच बेगाने क्यों बने हुए हैं? अपने त्यौहारों की समृद्ध परम्परा को क्यों कमजोर कर रहे हैं?



भारतीय संस्कृति इसलिये अनूठी एवं विलक्षण है क्योंकि यह मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की अनुकरणीय और लीलाधर श्रीकृष्ण की अनुसरणीय शिक्षाओं की साक्षी है। हमारी संस्कृति ने न केवल भारत को, बल्कि सभी को अपना परिवार माना है। तभी यहां आज भी 'वसुधैव कुटुंबकम' का मूल मंत्र दोहराया जाता है। पाश्चात्य देशों की बात करें, तो उसने दुनिया को केवल बाजार माना है। हमारी सनातन संस्कृति में रचे-बसे लोग इतने उदार हैं कि हमने सदैव अन्य देशों की संस्कृतियों का दोनों बाहें फैलाकर स्वागत किया है। पर्व, व्रत, त्योहार एवं उत्सव सामाजिक सरोकार के अद्भुत संगम एवं समन्वय के मूर्त रूप हैं। यदि हम असामाजिक, संवेदनशून्य, उपभेक्तावादी एवं पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण करने की दिशा में अग्रसर रहेंगे तो हमारी यह मूल्यवान् संस्कृति जड़ बनकर पतनोन्मुख हो सकती है। हजारों-हजारों साल से जिस प्रकृति ने भारतीय मन को आकार दिया था, उसे रचा था, भारतीयता की एक अलग छवि का निर्माण हुआ, यहां के इंसानों की इंसानियत ने दुनिया को आकर्षित किया, संस्कृति एवं संस्कारों, जीवन-मूल्यों की एक नई पहचान बनी। ऐसा क्या हुआ कि आजादी के बाद उसके साथ कुछ गलत हुआ है, और वह गलत दिनोंदिन गहराता गया है जिससे सारा माहौल ही प्रदूषित हो गया है, जीवन के सारे रंग ही फिके पड़ गये हैं, हम अपने ही भीतर की हरियाली से वंचित हो गए लोग हैं। न कहीं आपसी विश्वास रहा, न किसी का परस्पर प्यार। न सहयोग की उदात्त भावना रही, न संघर्ष में सामूहिकता का स्वर, बिखराव की भीड़ में न किसी ने हाथ थामा, न किसी ने आग्रह की पकड़ छोड़ी। यूं लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। क्या यह प्रतीक्षा झूठी है? क्या यह अगवानी अर्थशून्य है?

विदेशों की उपभोक्ता संस्कृति की अंधी नकल ने हमारी जीवनशैली, परिवार परम्परा, त्यौहार, खानपान, विचार आदि को दूषित किया है। बच्चे अच्छे से अच्छे शरबत की अपेक्षा कोल्ड डिंक्ब्स में अधिक रुचि रखते हैं। वाह! क्या आकर्षण है इन पेयों का और इन अंग्रेजी नामों का। मेकडोनाल्ड बच्चों के सिर चढ़कर बोल रहा है, पिज्जा, नूडल्स, चाउमीन ये सब आधुनिक खान-पान है। यह सब हमारी बदली मानसिकता का द्योतक है। दावतों एवं 'प्रीतिभोज' में 'बुफे' संस्कृति भी खूब चल पड़ी है। भारतीय परिस्थितियों में यह पूर्णतः 'गिद्ध भोज' दिखाई देता है। पहनावे की तो बात ही न पूछो। क्या सोशल मीडिया शरीर पर न्यूनतम कपड़ों को दिखाने की होड़ में नहीं लगा हैं? हमने क्यों अपनाया 'टाइट जीन्स', 'मिनी स्कर्ट' तथा 'हॉट पेंट्स' को। क्या साड़ी-ब्लाउज, सलवार कुर्ता, काँचली-कुर्ती, ओढ़नी-घाघरा कम आकर्षक हैं? हम क्यों माता-पिता की छवि को आहत करते हुए उन पर अश्लील टिप्पणियां करते हुए स्वयं को आधुनिक मानते हैं? यह संस्कृति एवं संस्कारों को धुंधलाना नहीं है तो क्या है?

परिवार वह इकाई है, जहाँ एक ही छत के नीचे, एक ही दीवार के सहारे, अनेक व्यक्ति आपसी विश्वास के बरगद की छाँव और सेवा, सहकार और सहानुभूति के घेरे में निश्चित रहते हैं। परिवार वह नीड़ है, जो दिन-भर से थके-हारे पंछी को विश्राम देता है। लेकिन मियाँ, बीवी व बच्चों की इकाई ही आज परिवार है, इस एकल परिवार संस्कृति वाले दौर में माँ-बाप, भाई-बहन की बात करना बेमानी लगता है। परंतु लगता है जहाँ पति-पत्नी दोनों ही अर्थोपार्जन के लिए नौकरी या व्यवसाय करते हैं, उन्हें संयुक्त परिवार और कम से कम माता-पिता या किसी बुजुर्ग की याद आने लगती है। हाँ 'बेबी सिटर', 'आया' या 'क्रेच' भी यह काम कर लेगा, परंतु परिवार की गरमाहट तो वह दे नहीं सकता। स्वस्थ परिवारों एवं भारतीय संस्कृति की संस्कार-सुरभि ही समाज और राष्ट्र की काया को स्वस्थ/प्रफुल्ल रख सकती है। और इसी से बिखरते संयुक्त परिवार एवं जीवन मूल्यों को बचाया जा सकता है।

देश को अपनी खोयी प्रतिष्ठा पानी है, उन्नत चरित्र बनाना है, स्वस्थ समाज की रचना करनी है और समृद्ध संस्कृति को ऊच्च शिखर देने हैं तो हमें एक ऐसी जीवनशैली को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे। कदाचार के इस अंधेरे कुएँ से निकले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, हमें खोज सुख की नहीं सत्व की करनी है क्योंकि सुख ने सुविधा दी और सुविधा से शोषण जनमा जबकि सत्व में शांति के लिये संघर्ष है और संघर्ष सचाई तक पहुंचने की तैयारी। हमें स्वयं की पहचान चाहिए और सारे विशेषणों से हटकर इंसान बने रहने का हक चाहिए। इस खोए अर्थ की तलाश करनी ही होगी। उपभोक्ता बनकर नहीं मनुष्य बनकर जीना नए सिरे से सीखना ही होगा।

संस्कृति और मूल्यों के नष्ट अध्यायों को न सिर्फ पढ़ना-गढ़ना होगा, बल्कि उन्हें नया रूप और नया अर्थ भी देना होगा। एक नई यात्रा शुरू करनी होगी। इसके लिये हमारे पर्वों एवं त्यौहारों की विशेष सार्थकता है। श्रीकृष्ण ने कहा है-जीवन एक उत्सव है। उनके इस कथन पर भारतीयों का पूर्ण विश्वास है। हम जीवन के हर दिन को उत्सव की तरह जीते हैं, ढेरों विसंगतियों और विद्रूपताओं से जूझते हुए। संकट में होशमंद रहने और हर मुसीबत के बाद उठ खड़े होने का जज्बा विशुद्ध भारतीय है और ऋतु-राग गुनगुनाते हुए अलग-अलग मौसम में उत्सव मनाने का भी। यही वजह है कि हम गर्व से कहते हैं- फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी... पर इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि बदलती दुनिया के असर से उत्सवधर्मिता का जज्बा काफी प्रभावित हो रहा है। सबसे ज्यादा हमारे पर्व और त्यौहार की संस्कृति ही धुंधली हुई है। खेद की बात है कि हमने पश्चिम की श्रेष्ठ परम्पराओं को आत्मसात नहीं किया, बल्कि उसके उपभोक्तावाद एवं अपसंस्कृति के शिकार बने।

हमें भारतीय पर्व और त्यौहार की संस्कृति को समृद्ध बनाना होगा। प्रयागराज का महाकुंभ ऐसी ही समृद्धि ला रहा है। वहां भोर का उगता सूरज, बल खाती नदी, दूर तक फैला मैदान, सिंदूरी शाम, दूर से आती ढोलक की थाप, पीछे छूटती दृश्यावलियां... हमारे भीतर रच-बस जाती हैं। यही सब जीवन की संपदाएं हैं, हमारे अंतर में जगमगाती-कौंधती रोशनियां हैं, जिनकी आभा में हम उस सब को पहचान पाते हैं जो जीवन है, जो हमारी पहचान के मानक हैं, जो हमारी संस्कृति है। हम भारत के लोग इसलिए विशिष्ट नहीं हैं कि हम 'जगतगुरु' रहे हैं, या हम महान आध्यात्मिक अतीत रखते हैं। हम विशिष्ट इसलिए हैं कि हमारे पास मानवता के सबसे प्राचीन और गहरे अनुभव हैं। ये अनुभव सिर्फ इतिहास और संस्कृति के अनुभव नहीं हैं, इसमें नदियों का प्रवाह, बदलते मौसमों की खुशबू, विविध त्यौहारों की सांस्कृतिक आभा और प्रकृति का विराट लीला-संसार समाया हुआ है। प्रेषकः

# मणिपुर : फ़ेल हुई डबल इंजन की सरकार

निर्मल रानी

8 फ़रवरी को जब दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित हो रहे थे और भाजपा के साथ ही देश का मीडिया भी भाजपा की जीत के क़सीदे बांचने में लगा था। देश को यह बताया जा रहा था कि दिल्ली से %आप% दा जा चुकी है। ठीक उसी समय भाजपा हाईकमान द्वारा निर्देशित भाजपा की मणिपुर की सबसे आपदा ग्रस्त डबल इंजन सरकार के मुख्यमंत्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह को त्यागपत्र देने हेतु निर्देशित किया जा चुका था। जिसे दिल्ली जीत के जश्न से ठीक अगले दिन यानी 9 फ़रवरी को अमल में लाया गया। पिछले छह महीनों से मैतेई, कुकी और नागा विधायक एक साथ मिलकर मुख्यमंत्री बीरेन को पद से हटाने के लिए केंद्रीय नेताओं से बात कर रहे थे। ख़बरों के अनुसार गत 3 फ़रवरी को ही मणिपुर के 33 विधायकों ने, जिनमें 19 विधायक भाजपा के भी बताये जा रहे हैं,दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री व गृह मंत्री से मिलकर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की जानकारी दे दी थी। बल्कि यह भी बता दिया था कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्तव आने की स्थिति में भाजपा विधायक भी अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान कर सकते हैं। इसीलिये भाजपा नेतृत्व को भारतीय राजनीति के इतिहास के सबसे अकुशल,असफल व अकर्मण्य व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद से हटाना पड़ा। हाँ मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के त्याग पात्र के बावजूद यह सवाल हमेशा बना रहेगा कि इतनी व्यापक व दीर्घकालिक अनियंत्रित हिंसा होने के बावजूद आख़िर भाजपा नेतृत्व ने किन परिस्थितियों में उन्हें मुख्यमंत्री पद से पहले क्यों नहीं हटाया ? इतना ही नहीं बल्कि बीरेन सिंह पर जातीय हिंसा के दौरान पक्षपात करने का भी आरोप है। बीरेन सिंह स्वयं मैतेई समुदाय से आते हैं। कुकी जनजाति के एक व्यक्ति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर यह आरोप लगाया गया था कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राज्य में हिंसा भड़काई है। याचिकाकर्ता ने इससे सम्बंधित एक ऑडियो टेप भी अदालत में सबूत के तौर पर जमा कराया है। प्रयोगशाला ट्रुथ लैब्स ने इस बात की पुष्टि भी की है कि इस ऑडियो टेप में 93 प्रतिशत आवाज़ बीरेन सिंह की आवाज़ से मेल खाती है। गोया बीरेन सिंह %राजधर्म का पालन% न करने के भी खुले दोषी हैं।





इतिहास इस बात का साक्षी रहेगा कि बावजूद इसके कि देश के और भी कई राज्य समय समय पर किसी न किसी मुहिम या आंदोलन वश हिंसा,अशांति व अव्यवस्था के शिकार रहे हैं। परन्तु भाजपा शासित इस राज्य में 3 मई 2023 से मैतेयी व कुकी समुदायों के बीच छिड़े जातीय हिंसक संघर्ष में जिस स्तर की हिंसा व अशांति देखनी पड़ी उसकी दूसरी मिसाल देश में कहीं भी देखने को नहीं मिलती। हिंसा, आगज़नी, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार यहाँ तक कि हिंसक भीड़ द्वारा युवतियों की नग्न परेड कराने जैसी शर्मनाक घटनाएं घटीं। मंत्रियों,विधायकों व अन्य नेताओं के घरों को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस थाने आग की भेंट चढ़े,यहाँ तक कि शस्त्रागार के हथियार तक उपद्रवी छीन ले गये। सैकड़ों लोग इस संघर्ष में मारे गये जबकि हज़ारों लोग विस्थापित भी हुये। परन्तु मणिपुर का %डबल इंजन % मूक दर्शक बना रहा। क़ानून व्यवस्था की यह स्थिति राज्य में उस समय पैदा हुई थी जबकि मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में एन डी ए के पास 52 सीटें हैं जिसमें अकेली भाजपा के पास 37 सीटें हैं। राज्य सरकार के लिये इससे बेहतर बहुमत और क्या हो सकता था ? बहरहाल मई 2023 से लेकर अभी तक जारी हिंसा के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गाँधी जहां तीन बार मणिपुर का दौरा कर हिंसा पीड़ितों के बीच जाकर वहां के लोगों से मिलकर हालात का जायज़ा ले चुके हैं वहीँ प्रधानमंत्री ने अभी तक एक बार भी हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा करना मुनासिब नहीं समझा। हद तो यह है कि राहुल गाँधी व विपक्ष के तमाम प्रयासों के बावजूद सदन में मणिपुर पर चर्चा को भी टालने की कोशिशें हुईं। सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा मणिपुर की शर्मनाक घटनाओं को कांग्रेस शासित राज्यों से जोड़कर मणिपुर घटनाओं पर लीपापोती करने की कोशिश की गयी। निःसंदेह राहुल गाँधी देश के अकेले ऐसे नेता हैं जो लगातार मणिपुर हिंसा के विषय को उठाते रहे हैं। और भाजपा पर यह दबाव इतना बढ़ा कि मणिपुर विधानसभा में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव आने से पहले ही पार्टी ने आख़िरकार उनसे त्याग पत्र ले ही लिया।

बीरेन सिंह के त्यागपत्र के बाद मणिपुर में भाजपा के लिये राजनैतिक संकट खड़ा होना तो निश्चित है ही साथ ही अब यह भी प्रमाणित हो चुका है कि बीरेन सिंह पूरी तरह से मणिपुर हिंसा को नियंत्रित कर पाने में असफल रहे हैं। अन्यथा क्या कारण था कि 3 मई 2023 से लेकर अब तक हिंसा पर पूर्ण नियंत्रण हासिल नहीं किया जा सका ? इसी दीर्घकालिक हिंसा के कारण भाजपा के ही अधिकांश विधायक बीरेन नेतृत्व के विरुद्ध होते जा रहे थे। और मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी भाजपा विधायकों द्वारा ही की जा रही थी। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना थी कि कहीं मणिपुर बीजेपी के हाथ से निकल न जाये। क्योंकि राज्य में हिंसा की भेंट चढ़े लंबा समय बीत चुका है और समाधान के नाम पर कुछ भी सामने नज़र नहीं आ रहा। ऐसे में प्रदेश बीजेपी के अंदर ही काफ़ी मतभेद शुरू हो गए थे.÷बीजेपी के लोग ही मुख्यमंत्री बदलने की मांग कर रहे थे। आगामी 10 फ़रवरी से विधानसभा सत्र शुरू होते ही मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी पूरी हो चुकी थी। इसीलिये भाजपा नेतृत्व द्वारा दिल्ली चुनाव परिणाम के जश्न के बीच ही बीरेन सिंह से त्यागपत्र लेने का फ़ैसला किया गया। देखना होगा कि बंगाल सहित अन्य ग़ैर भाजपा शासित राज्यों को जंगल राज व आपदा ग्रस्त सरकार बताने वाली भाजपा, मणिपुर में महा आपदा के रूप में विराजमान रहे मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को हटाने के बाद जातीय हिंसा में सुलगते मणिपुर के लोगों को भयमुक्त करने व उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिये क्या क़दम उठती है। और देश की इस बात पर भी नज़र रहेगी कि मणिपुर में डबल इंजन की सरकार के बुरी तरह से फ़ेल होने का प्रभाव भविष्य में पूर्वोत्तर की भाजपा की राजनीति पर क्या पड़ेगा।

# सनकी नेतृत्व मानवता के लिये ख़तरा

तनवीर जाफ़री



कहा तो यही जाता है कि पृथ्वी पर पाये जाने वाले सभी प्राणियों में प्रकृति ने सर्वोत्तम प्राणी के रूप में केवल मानव की ही उत्पत्ति की है। प्रवचन,सत्संग,धर्म व अध्यात्म की बातें,अच्छी बुराई के भेद,करुणा,प्रेम,दया क्षमा,परमार्थ,परोपकार,सेवा-सत्कार जैसी बातें केवल मानव के मुंह से ही निकलती सुनाई देती हैं। यह मानव ही है जो कि विपदा के समय एक दूसरे का साथ देता है। ग़रीब,असहाय,भूखे,प्यासे,कमज़ोर अबला की मदद करने को आतुर रहता है। परन्तु सहस्त्राब्दियों से लिखा जाने वाला इतिहास यहाँ तक कि इतिहास लेखन से पूर्व की पौराणिक कथाओं से भी यही पता चलता है कि इन्हीं मानव में हर दौर में अनेक सनकी शासक भी पैदा हुये। अनेक शासक ऐसे हुये जिन्होंने स्वयं को ईश्वर मनवाने तक की कोशिश की जब कि कुछ ऐसे भी हुये जो क्रूरता की सभी हदों को पार कर गये। परन्तु उसका नतीजा यही है कि आज इतिहास उन बदनाम शुदा सनकी शासकों को या तो सनकी शासकों की सूची में रखता है या तानाशाहों अथवा क्रूर शासकों के रूप में उन्हें याद किया जाता है। इनमें एडोल्फ़ हिटलर जैसे तानाशाह भी हुये हैं जिसकी क्रूरता व तानाशाही के चलते जर्मनी के लोग आज भी अपने देश पर लगे %हिटलर% रुपी धब्बे से शर्मिंदगी महसूस करते हैं। एक हिटलर ही नहीं बल्कि इस दुनिया ने स्टेलिन,मुसोलिनी,ईदी अमीन,किम जोंग ईल,मुअम्मार ग़द्दाफ़ी,सद्दाम हुसैन,ज़ियाउलहक़ जैसे अनेक शासक देखे जिन्होंने अपने सनकी व ज़िद्दी स्वभाव के अनुरूप शासन किया। परन्तु प्रायः उनके शासन करने का सनकी अंदाज़



न केवल उन शासकों व तानाशाहों की अपनी ही जान का दुश्मन बना बल्कि ऐसे कई देश बर्बादी व तबाही की कगार पर भी पहुँच गये और इन्हीं के ग़लत फैसलों के चलते लाखों बेगुनाह लोग मारे भी गये।

आजके दौर में भी दुनिया के के कई देशों पर ऐसे ही सनकी लोगों का राज है। नतीजतन दुनिया युद्ध,तनाव,संबंधों में कड़वाहट व अविश्वास,अनिश्चितता जैसे वातावरण में जी रही है। विश्व के अनेक शासक सत्ता में हमेशा बने रहने के लिये तरह तरह की युक्तियाँ इस्तेमाल कर रहे हैं। कोई संविधान बदल कर आजीवन शासन करना चाह रहा है तो कोई धर्म जाति व क्षेत्रवाद का ज़हर बोकर अपनी सम्प्रदायिकता व जातिवाद की फ़सल तैयार कर रहा है। कोई अपने देशवासियों को ऐसे सपने दिखाता है जिससे लगे कि इससे पहले तो इतना बड़ा देशभक्त तो कोई पैदा ही नहीं हुआ। हद तो यह है कुछ सनकी लोग स्वयं को भगवन का अवतार कहने से भी नहीं हिचकिचाते। परिणामस्वरूप जनसमस्याओं व देश की प्रगति के तमाम मुद्दे इसी तरह की फ़ुज़ूल की भावनात्मक बातों में उलझकर रह जाते हैं।

अमेरिका के लोगों ने भी एक बार फिर 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के हाथों में देश की बागडोर सौंपी है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालते ही अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन द्वारा बनाये गये क़रीब 80 नियम-क़ानूनों को निष्प्रभावी बनाने के दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए हैं। शपथ लेने के बाद जिन दस्तावेज़ों पर ट्रंप ने सबसे पहले हस्ताक्षर किए उनमें बढ़ते वैश्विक तापमान से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए अहम पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका के अलग होने वाले आदेश पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसी तरह एक विवादित फ़ैसला ट्रंप ने यह किया है कि उन की पराजय के समय 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में जो हिंसा हुई थी ट्रंप ने उस हिंसा में नामज़द अपने लगभग 1500 समर्थकों की सज़ा माफ़ करने की घोषणा कर दी। इनमें धुर-दक्षिणपंथी समूह ओथ कीपर्स और प्राउड बॉयज़ के सदस्य भी हैं। इनके सदस्य कैपिटल हिंसा से जुड़े केस में देशद्रोह की साज़िश जैसे मामलों के दोषी क़रार दे दिए गए हैं। ख़बर तो यह भी है कि न केवल इन अपराधियों को मुआफ़ किया गया है बल्कि उन लोगों पर मुक़द्दमा चलने की भी ख़बर है जिन्होंने इन अपराधियों पर केस दर्ज किया था। इससे बड़ा सत्ता का दुरूपयोग और पक्षपातपूर्ण फ़ैसला और क्या हो सकता है ?

इसके पहले चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप कनाडा और ग्रीनलैंड को अमेरिकी राज्य बनाने की बात कह चुके हैं। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री टुडो सहित अनेक विपक्षी नेता भी कह चुके है कि ऐसा होना मुमकिन ही नहीं है कि कनाडा 51वें राज्य के रूप में अमेरिका का हिस्सा बन जाये। गत दिसंबर में भी ट्रंप कई बार कनाडा को अमेरिका का 51 वां राज्य और टूडो को उसका गवर्नर बता चुके थे। यहां तक कि क्रिसमस के बधाई संदेश में भी ट्रंप ने टुडो को कनाडा का गवर्नर बताया था। परन्तु इस तरह की बे सिर पैर की बात कर ट्रंप ने न केवल अपनी धुर दक्षिणपंथी राजनैतिक सोच का परिचय दिया है बल्कि दुनिया को यह सोचने के लिये भी मजबूर कर दिया है कि जो अमेरिका, कनाडा जैसे अपने सैन्य,व्यवसाय व ऊर्जा जैसे अनेक क्षेत्रों में भागीदारी निभाने वाले निकटस्थ देश पर अपनी बुरी नज़रें गड़ा सकता है उस अमेरिका से दुनिया के दूसरे देश आख़िर क्या उम्मीद करें ? इसी तरह ट्रंप ने अपने शुरुआती फ़ैसलों में मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर %अमेरिका की खाड़ी% करने का आदेश दिया है। इसी आदेश के अंतर्गत अलास्का के माउंट देनाली का नाम बदलकर अमेरिका के 25वें राष्ट्रपति विलियम मैकिन्ली के सम्मान में माउंट मैकिन्ली करने का भी निर्देश दिया गया है। ट्रंप ने ये भी घोषणा कर दी है कि अमेरिका में केवल दो जेंडर को मान्यता होगी- पुरुष और महिलाएं।

डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर को ÷एक मूर्खतापूर्ण तोहफ़ा%% बताते हुये दावा किया है कि ÷पनामा नहर को चीन संचालित कर रहा है। %% ट्रंप ने कहा, ÷हमने इसे चीन को नहीं दिया। हम इसे वापस लेंगे। इसी तरह ट्रंप द्वारा लिया गया एक और सबसे दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है %अमेरिका का डब्ल्यूएचओ से अलग होना। यह ख़बर भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के स्वास्थ्य जगत के लिए एक बुरी ख़बर है? ट्रंप ने सत्ता संभालते ही कह दिया है कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ से अलग हो जाएगा। अमेरिका के पीछे हटने से डब्ल्यूएचओ की ओर से दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता पर असर होगा, जिसके लिए यह संगठन अपने बनने के साल 1948 से जाना जाता रहा है। इसी आदेश में ट्रंप ने बाइडन के कार्यकाल के दौरान आप्रवासियों के लिए लाई गई कई योजनाओं पर भी रोक लगा दी है। जिससे दुनिया के कई देशों में बेचैनी बढ़ गयी है। जिन अप्रवासियों का अमेरिका के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान है ट्रंप उन्हें अमेरिका से निष्कासित करने पर तुले हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि दुनिया के जिस किसी भी देश में इस तरह का संकीर्ण व %सनकी नेतृत्व % है तो वह केवल उस देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिये ख़तरा है। संपर्क-9896219228

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाइटः dainiksandhyaprakash.in

## रायसेन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

**औबेदुल्लागंज (संवाददाता)**- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 18 फरवरी को रायसेन में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों तथा तैयारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि पर्याप्त समय पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आगमन तथा निर्गमन व्यवस्था, वाहन पार्किंग हेतु स्थलों का चयन, सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर बैठक व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, सांस्कृतिक गतिविधियों सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा कर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, एएसपी कमलेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर 6 प्रकरण पंजीबद्ध

**मंडला।** जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिला आबकारी विभाग द्वारा मदिरा के अवैध संग्रहण,परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही है। जिले में पिछले 2 दिनों में अलग-अलग स्थानों पर की गई दबिश की कार्यवाही के दौरान 6 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। मण्डला विकासखंड अंतर्गत गुरूवार को ग्राम जंतीपुर में मदिरा निर्माण करने वाले अड्डों पर दबिश दी गई। विभिन्न अड्डों से 110 डिब्बा महुआ लहान जप्त किया गया।जप्त लहान का अनुमानित मूल्य 110000 है। जप्त लहान को घटनास्थल पर नष्ट किया गया एवं 85 लीटर कच्ची शराब जप्त किया जप्त की गई जिसका अनुमानित मूल्य 12750 है।मदिरा विक्रय करने वाले ज्ञात/अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 4 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। इसी प्रकार बुधवार को आबकारी टीम द्वारा दबिश की कार्यवाही की गई। हागगंज बाजार में प्रकाश परते के कब्जे से 10 पाव प्लेन, 6 पाव गोआ जप्त किया। ग्राम सिंगारपुर में महेन्द्र कुशराम के कब्जे से व्हिस्की के 4 पाव,जीनियस व्हिस्की के 26 पाव जप्त किये गए।देसी मंदिरा प्लेन के 14 पाव,गोआ व्हिस्की के 6 पाव जप्त किये गए।मदिरा विक्रय करने वाले आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किये गये।उक्त कार्यवाही में आबकारी बल उपस्थित था।

## रविदास जयंती पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

**छतरपुर।** श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में संत रविदास की जयंती पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, हिंदी प्राध?यापक डॉ. आशीष कुमार तिवारी, पुस?तकालय विभाग अध?यक्ष डॉ. सविता सिंह, मानव संसाधन प्रमुख डॉ. शिवेन?द्र सिंह परमार एवं हिंदी विभाग की सहायक प्राध?यापक वंदना शुक?ला ने माँ सरस्वती और रैदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया। कुलाधिपति महोदय डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की संत परम्परा में संत रविदास उपाख्यान सन्त रैदास का महत्त्वपूर्ण स्थान है। एक चर्मकार परिवार में जन्म लेकर जूता बनाने को ही अपनी आजीविका का साधन बनाने वाले, पाण्डित्य नगरी काशी के निवासी सन्त रैदास की जन स्वीकृति इतनी अधिक रही है कि उन्हें राजघराने की मीरा ने अपना गुरु स्वीकार किया, बादशाह सिकंदर लोदी ने स्वयं दरबार में आमन्त्रित किया, गुरुग्रन्थ साहब में उनकी वाणी संग्र?हीत की गयी और उनके अनुयायियों ने उनके नाम से एक पन्थ ही चला दिया, जिसके अनुयायी आज भी विद्यमान हैं और रैदासपंथी कहलाते हैं। रैदास की वाणी भक्ति की सच्ची भावना, समाज के व्यापक हित की कामना तथा मानव प्रेम से ओत-प्रोत होती थी। इसलिए उसका श्रोताओं के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता था। उनके भजनों तथा उपदेशों से लोगों को ऐसी शिक्षा मिलती थी जिससे उनकी शंकाओं का सन्तोषजनक समाधान हो जाता था और लोग स्वतः उनके अनुयायी बन जाते थे।

## विदिशा जिले में सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत का शुभारंभ, पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की पहल

**विदिशा।** विदिशा में पुलिस के द्वारा बुजुर्गों की सहायता एवं सुरक्षा के सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत का गठन किया।पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे फार्म का विमोचन कर सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत का विधिवत शुभारंभ किया गया। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने जानकारी प्रदान कर बताया कि पुलिस अधीक्षक रोहित कास्वानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ? प्रशांत चौबे उपस्थिति में पुलिस पंचायत के कोर कमेटी सदस्य डॉक्टर सचिन गर्ग, श्री विनोद शाह, अतुल शाह, आर के कुलश्रेष्ठ , श्री उमेश शर्मा, डॉ? कुशाग्र दीक्षित, श्री दिनेश बाजपेई, श्री प्रमोद व्यास, श्रीमती चारु सक्सेना, श्री पार्थ पितलिया, श्री अजय टंडन उपस्थिति में पुलिस पंचायत की सदस्यता का फार्म विमोचन किया गया।

पहले प्रकरण में एक बुजुर्ग दंपत्ति ने शिकायत की गई। वे रिटायरमेंट के बाद अपने छोटे बेटे से परेशान हैं तथा वह लगातार अपनी डिमांड को लेकर परेशान करता है तथा कई बार अग्रेसिव हो जाता है।पंचायत द्वरा बुजुर्ग को ढाढस बंधाया गया तथा अनावेदक को अगली पंचायत में बुलाने के लिए पाबंद किया गया।वहीं दूसरे प्रकरण में एक बुजुर्ग दंपति ने शिकायत की कि उनकी बेटी तथा दामाद उन्हें परेशान करते हैं तथा उनके द्वारा उनके रुपये से लिए गए प्लॉट की रजिस्ट्री धोखे से अपने नाम करा लिए। प्रकरण में दोनों पक्षों को आमने सामने सुना गया तथा समाधान के तरीके बताए गए तथा प्रकरण में आगामी तिथि पुनः सुनवाई के लिए लगाई गई।

# यूनियन कार्बाइड के कचरे का पीथमपुर में कंटेनर उतारा जा रहा, अभी जलाने की कोई प्रक्रिया नहीं!

### एसडीएम ने जन प्रतिनिधियों के सामने कचरा उतारने की स्थिति स्पष्ट की

**धार ।** भोपाल से पीथमपुर आए यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। रामकी प्लांट के भस्मक में इस कचरे को नष्ट करने की योजना थी और इसी मकसद से इसे यहां लाया गया था। लेकिन, जनता के विरोध को देखते हुए, इसे टाल दिया गया।

प्रशासन ने जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज इस कचरे को कंटेनर से अनलोड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस संबंध में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कचरे को सिर्फ कंटेनरों को अनलोड किया जा रहा है। उसे जलाने की फिलहाल कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई जा रही।

पीथमपुर के एसडीएम प्रमोदसिंह गूजर ने बताया कि यहां के जन प्रतिनिधियों को रामकी प्लांट परिसर में लाया गया है, ताकि वे देख सकें कि कचरे को कंटेनर से उतारा जा रहा है। जैसा कि पूर्व की मीटिंग में वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया था कि नियम के अनुसार कंटेनर से कचरे को उतारकर रखा जाना है। उन्होंने बताया कि बहुत समय से वह एक ही स्थान पर रखा हुआ है। इसलिए उसे उतारा गया।

एसडीएम ने स्पष्ट किया कि अब इस कचरे को जलाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, तो यह बिल्कुल ही निराधार है। आप कोई भी भ्रम, मिथ्या न फैलाए। कचरे को उसे सिर्फ कंटेनर से उतारकर नीचे रखा जा रहा है। कचरे को जलाने की कोई गतिविधि नहीं की जा रही है। यह सब जन प्रतिनिधियों के सामने किया जा रहा।

### आरटीओ की स्कूली वाहनों पर सख्ती

## 9 वाहनों पर 32 हजार का जुर्माना, 1 जप्त

**नर्मदा पुरम।** परिवहन आयुक्त एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान के नेतृत्व में आरटीओ जांच दल द्वारा स्कूली वाहनों की सख्ती के साथ जांच की जा रही है जांच में स्कूल बसों के वाहन चालकों के चरित्र प्रमाण पत्र की जांच एवं बसों के दस्तावेजों के साथ अन्य परिवहन विभाग द्वारा तय नियमों की जांच की जा रही है , इसी तारतम्य में गुरुवार को जांच दल द्वारा पिपरिया मार्ग पर स्कूली वाहनों की जांच की गई।

जांच में कुल 55 वाहनों को चेक किया गया जिसमें 9 वाहनों में मोटरयान नियमों का उल्लंघन पाया गया, 9 वाहनों 32 हजार का जुर्माना लगाया गया तथा 1 स्कूल वाहन को जप्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़ा किया गया । ज्ञात हो कि परिवहन विभाग द्वारा लगातार स्कूली वाहनों की जांच की जा रही है तथा वाहन चालकों के पुलिस वेरिफिकेशन की भी जांच की जा रही है। आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा लगातार स्कूलों में पहुंचकर वाहनों को जांचा जा रहा है तथा जिन वाहनों में कमी पाई जा रही है उन पर कार्यवाही की जा रही है।

### विकास कार्यों की जमीन हकीकत देखने पहुंचे विधायक

## गंदे पानी की निकासी व्यवस्थित हो, गुणवत्ता पूर्ण कार्य करवाने के दिए निर्देश

**सिरोंज।** अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा गुणवत्ता के साथ तथा व्यवस्थित कार्य नहीं किया जा रहा है जिसकी शिकायत मिलने पर इनके कामों को देखने के लिए अचानक गुरुवार को विधायक उमाकांत शर्मा पहुंचे उन्होंने काम सही नहीं होने पर एसडीएम को गुणवत्ता के साथ कार्य करवाने के निर्देश दिए। इसके कस्टम पथ पर चार वार्डों के रहवासियों की पानी की निकासी की समस्या को देखकर इस समस्या का हल निकाल कर काम करवाने के निर्देश भी दिए हैं साथ ही अपने स्तर पर भी समाधान करवाने का आश्वासन रहवासियों को दिया । वहीं धरातल पर जिस तरह का कार्य होन चाहिए उस तरह का काम अधिकांश ठेकेदारों तथा जिम्मेदारों के द्वारा नहीं करवाया जा रहा है। जिसको देखने के लिए जैसे ही विधायक जमीन स्तर पर पहुंचे एवं बारीकी से काम को देखा उसके बाद व्यवस्थित रूप से निर्माण कार्य नहीं होने पर अधिकारियों से जवाब भी मांगे पर अधिकारी संतोष जवाब नहीं दे पाए सब्जी मंडी का काम लंबे समय से चल रहा है यहां पर ठेकेदार के द्वारा प्लानिंग के साथ से काम नहीं किया जा रहा है इस उन्होंने एसडीएम से लिखित में लिया कितने दिनों में इसका काम सही तरीके से व्यवस्थित कर लिया जाएगा उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा के लिए सही कार्य होना चहिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा जिन अधिकारियों तथा ठेकेदारों के द्वारा सही कार्य नहीं किया जाएगा उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को बुलाकर जांच करवाएंगे हमारी सरकार जनता के हित में काम कर रही है वह काम ऐसे हो जिनका लाभ लंबे समय शहर वासियों को मिले मिले पालिका परिषद के द्वारा नगरी क्षेत्र में करोड़ों की लागत से विकास कार्य करवाया जा रहे हैं जमीन स्तर पर कितना व्यवस्थित और गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य नगर पालिका करवा रही है उसको को देखने के लिए विधायक श्री शर्मा शाम के समय सबसे पहले बस स्टैंड पर पहुंचे यहां पर नाला निर्माण व्यवस्थित काम नहीं होने पर नाराजगी जताई इसका सीमांकन एवं हाथ बंदी नहीं करने पर निर्देश भी तहसीलदार स संजय चौरसिया को निर्देश दिए कई लोग यहां पर अतिक्रमण कर रहे हैं ।

## रीढ़ से जुड़े जन्मजात दोष से सिद्धार्थ को मिली मुक्ति

### राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का मिला सहारा

**दमोह ।** दमोह जिले से 26 कि.मी. दूर ग्राम धमारा ब्लाक हिण्डोरिया में रहने वाले सोनीलाल रैकवार के परिवार की कहानी है। सोनीलाल का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है, मजदूरी कर परिवार का गुजारा करते है। कोविड काल वर्ष 2020 में जन्मे सिदार्थ के पीठ पर एक बहुत बढ़ा फोड़ा दिखाई दे रहा था। जिससे डिलेवरी के पश्चात इमरजेंसी में डीईआईसी, एसएनसीयू रेफर किया गया जहां बच्चा 12 दिन भर्ती रहा। इसके पश्चात डॉ. जलज बजाज शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा बच्चे को डिस्चार्ज कर निरंतर आरबीएसके एएमओ व डीईआईसी की निगरानी में नियमित फॉलोअप कराते हुये दो वर्ष बाद सर्जरी हेतु लाने की सलाह दी गई। दो वर्ष बाद डॉ. नेहा गौतम आरबीएसके मेडिकल आफिसर ग्राम धमारा पहुचीं जहां बच्चे का फॉलोअप लेते हुये अब सर्जरी की बात कही। दूसरे ही दिन पिता सोनीलाल व मॉ प्रीति बच्चे को लेकर डीईआईसी आये जहां उन्हें मेडिकल कॉलेज जबलपुर के डॉ. विकेष अग्रवाल एवं अभिषेक तिवारी से समन्वय स्थापित कर बच्चे को अगस्त 2024 में सर्जरी हेतु भेजा।

मेडिकल कॉलेज विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा रीढ़ से जुड़े जन्मजात दोष की सफलता पूर्वक सर्जरी कर 3 दिन पश्चात डिस्चार्ज कर दिया। आरबीएसके नियमित फॉलोअप हेतु डॉ. नेहा गौतम पुनः धमारा ग्राम के आँगनवाड़ी केन्द्र पर बच्चों की स्क्रीनिंग करने पहुचीं तो उनके पिता सोनीलाल रैकवार ने डॉ. नेहा गौतम का स्वागत करते हेतु आरबीएसके-डीईआईसी से मैनेजर नरेश राठौर, नवप्रकाश जैन, व शुभम राठौर को बच्चे की निःशुल्क सर्जरी कराने सहयोग करने पर धन्यवाद देते हुये कहां कि मेरे बच्चे को नया जीवन मिला है।

## डॉक्टर और वकील में हुई भिड़ंत

**मण्डला/अजीत पटेल।** जिले में एक नया मामला सामने आया है जहां डॉक्टर एवं वकीलों में हुई भिड़ंत दोनो बुद्धि जीवी भारी विडम्बना वहीं डॉक्टर टीम ने जिला पुलिस अधीक्षक मंडला को ज्ञापन सौंपा। मामला नैनपुर का है जहां एक बार फिर बुद्धि जीवी वर्ग आवेश में आकर आपस में टकरा गए जिनका उदाहरण समाज देता है की ये पढ़ा लिखा वर्ग है एक बुद्धि जीवी वर्ग डॉक्टर जान बचा रहा है वहीं दूसरा पक्ष वकील समाज में न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है घटना क्रम 11 फरवरी का बताया गया है जिसमें सुशीला चौरसिया नाम की महिला जो वकील गौरव चौरसिया लेकर गए है जिनकी बुआ बताई गई है सड़क मार्ग पर घटना के बाद 12 बजे दिन की है उस दिन ड्यूटी डॉक्टर प्रशांत बड़ेरिया थे जब इलाज के दरमियान जो गौरव चौरसिया वकील थे वो एम एल सी घटना की चाह रहे थे जिस पर ड्यूटी डॉक्टर प्रशांत बड़ेरिया ने विरोध किया तो वकील गौरव चौरसिया और अन्य वकील मौके वारदात पर आए हालांकि सीसीटीवी कैमरा पर घटना क्रम पर आवाज नहीं है पर जो डॉक्टर की टीम ने सी एस जिला हॉस्पिटल मंडला डॉक्टर विजय धुर्वे के अगुआई में मंडला जिला पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा और जिला अधिवक्ता संघ मंडला अध्यक्ष को ज्ञापन दिया है पर आरोप लगाया है की वकील गौरव चौरसिया के अलावा

अन्य वकील धमकी पर उतर आए और सरकारी काम में बाधा डालने का प्रयास कर रहे थे पूरे घटना क्रम पर मंडला जिला पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा का कहना है की दोनों पक्ष सुनने के बाद ही कुछ निष्कर्ष सामने आएगा। जिसमें पुलिस अधीक्षक का कहना है कि स्थानीय थाना जांच करेगा बहरहाल समाज में पढ़ा लिखा वर्ग यदि आपस में भिड़ेगा तो नजीर कौन पेश करेगा सभ्य समाज में की हम पढ़ें और लिखे भी हैं वही इसी दिन शाम को अन्य एक डॉक्टर अंशुल शर्मा के साथ भी जसवंत गुप्ता और उनके साथ आए साथियों ने दुर्व्यवहार किया इन दोनों घटना से डॉक्टरों में गुस्सा देखा जा रहा है डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया गया है तो उनसे भी अपेक्षा की जाती है की वो मानवीय संवेदनाओं मानवीय पहलू से मरीज के साथ व्यवहार करें इस संबध में जिला अध्यक्ष अधिवक्ता संघ रामेश्वर झरिया से बात हुई उनका भी मानना था की घटना दुर्भाग्य पूर्ण है जो वकील अपनी बुआ को लेकर गए थे उन को ड्यूटी डॉक्टर ने जैसा देखना था देखे नहीं यही से गरमागरम बहस हुई आप ने कहा है जल्दी ही मामला सुलझा लिया जाएगा।

### इनका कहना है

मामले को लेकर दोनों पक्षों की जांच संबंधित थाने से कराकर मामले पर वैधानिक निर्णय लिया जाएगा।

**रजत सकलेचा**
पुलिस अधीक्षक मण्डला।

## 9 में से 8 आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली, 5 को जेल भेजा 3 आरोपी 14 तक की पुलिस रिमांड पर

**आष्टा।** इंदौर -भोपाल हाईवे मार्ग पर पार्वती थाना अंतर्गत ग्राम पगारिया घाटी के समीप स्थित जय भवानी ढाबा के सामने विगत दिनों झाड़ियों में मिले नर कंकाल की गुत्थी पुलिस ने एक तरफ जहां सुलझा ली थी ,वहीं दूसरी ओर इस डकैती एवं हत्या के मुख्य सरगना राकेश उर्फ भरत को एएसआई कृष्णा मंडलोई के नेतृत्व वाली टीम बैंगलोर से ले आई है । अभी तक इस घटनाक्रम के 9 में से 8 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है ,जिनमें से 5 को जेल भेजा गया है और 3 पुलिस रिमांड पर है। जिला पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने पार्वती थाना पहुंचकर समूचे घटनाक्रम में अभी तक की गई कार्यवाही की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। वहीं पार्वती थाना प्रभारी चिन्मय मिश्रा इंदौर में डेरा डाले हुए हैं। पुलिस के लिए साढ़े बहोत्तर लाख रुपये का कॉपर तार बरामद करना तथा आरोपियों ने जो तार बेचकर रुपया लिया था वह पूरा बरामद करना एक टेढ़ी खीर है ,लेकिन निश्चित पार्वती थाना को सफलता शीघ्र हाथ लगेगी। पुलिस ने बुधवार 12 फरवरी को सुरेंद्र सिंधी को न्यायाधीश ऋचा जैन के न्यायालय में पेश किया, वहां से उसे जेल भेजा गया। उक्त हत्या आईसर चालक हुकमसिंह पिता मांगीलाल सोंधिया 40 साल निवासी पिपलिया थाना सुतालिया राजगढ़ के साथ लूट के कारण हुई थी। उक्त मृतक 20 जनवरी को इंदौर से कॉपर तार लेकर पीलूखेड़ी के लिए जा रहा था और इंदौर के ही कुछ लुटेरों ने आष्टा क्षेत्र के एक व्यक्ति के सहयोग से मृतक की आईसर के आगे आईसर लगाकर उसे न केवल अपने कब्जे में लिया था अपितु उसकी जघंय हत्या करके पगारिया घाटी के समीप शव झाड़ियों में फेंक दिया था। पार्वती थाना पुलिस लूट करने वाले आरोपियों को इधर-उधर तलाशती रही तथा आईसर चालक की लाश थाने से ही कुछ दूरी पर झाड़ियां में जंगली जानवरों का ग्रास बनी हुई थी।

### सांसद की पहल पर परीक्षा केंद्र बदले गए

## लंबा सफर तय करने वाले परीक्षार्थियों को होगी परीक्षा केंद्र पहुंचने में आसानी

**दमोह** जवाहर नवोदय विद्यालय हटा के छात्रों की कक्षा 10 वीं/12वीं की मुख्य परीक्षा 2025 का परीक्षा केन्द्र दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी की पहल पर सेंट जॉन्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल दमोह के स्थान पर नया परीक्षा केन्द्र जवाहर नवोदय विद्यालय हटा नियत कर दिया है। एवं इसी प्रकार सेंट नार्बट स्कूल वार्ड नं-04 शांति निकेतन के छात्रों की कक्षा 10वीं/12वीं की मुख्य परीक्षा 2025 का परीक्षा केन्द्र जवाहर नवोदय विद्यालय हटा के स्थान पर सेंट जॉन्स हायर सेकेण्ड्री स्कूल दमोह नियत किया गया है। सी.बी.एस.सी. का एक केंद्र दमोह में बनता रहा है, वह हटा बन गया था, तो इस कारण से बच्चों को परीक्षा देने के लिए 40 किलोमीटर से भी अधिक का सफर तय करके जाना पड़ता था। इस सिलसिले में दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी जी ने लोकसभा सत्र के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी से भेंट की एवं उन्हें पूरे विषय पर अवगत कराया। माननीय कैबिनेट मंत्री के निर्देशन पर तत्काल निर्णय लेते हुए सी.बी.एस.सी. ने पुनर्विचार किया और पुनर्विचार करने के बाद जो सेंट नॉर्बट स्कूल का केंद्र था उसको सेंट जॉन।

## कांग्रेस विधायक अजय सिंह राहुल को इस मामले में मिली राहत, हाईकोर्ट ने चुनाव याचिकाओं को किया खारिज

**भोपाल।** मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने चुरहट विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित कांग्रेस विधायक अजय सिंह के खिलाफ दायर चुनाव याचिकाओं को खारिज कर दिया है. बताया गया कि बीते विधानसभा चुनाव के दौरान अजय सिंह द्वारा दाखिल किए गए, नामांकन के साथ लगाए गए शपथ पत्र में दी गई जानकारी को लेकर बीजेपी ने सवाल खड़े किए थे. इस मामले में बीजेपी के उम्मीदवार शरदेंदु तिवारी की ओर से आपत्ति की गई थी. इन आपत्तियों पर सुनवाई के बाद निर्वाचन अधिकारी ने शपथपत्र को वैध मानते हुए आपत्ति निरस्त कर दी थी.

विधानसभा चुनाव में अजय सिंह ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल की थी. इस चुनाव के बाद मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर में शपथ पत्र संबंधी आपत्तियों और अन्य बिंदुओं को लेकर अजय सिंह के खिलाफ दो याचिकाएं रामगरीब और राकेश कुमार पांडे के द्वारा दायर की गई थी. इन याचिकाओं पर विचार करने के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि चुनाव याचिका में उठाए गए आधार, कानून के तय प्रावधानों को देखते हुए नहीं बनाए गए हैं. इसलिए दोनों चुनाव याचिकाएं खारिज की जाती हैं.

चुरहट विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचन को चुनौती देने के लिए दायर की गई दो याचिकाओं के खारिश होने की जानकारी जैसे ही चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल के समर्थकों एवं शुभचिंतकों को मिली तो उनके द्वारा खुशी का इजहार किया गया. सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यम से सत्य की जीत एवं असत्य की हार का जिक्र करते हुए कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल ने अपने खिलाफ हाईकोर्ट में चुनाव को लेकर दायर दो याचिकाओं को खारिज होने पर न्यायालय द्वारा किए गए जिक्र को अपने फेसबुक वॉल पर पोस्ट किया है.

### गुमशुदा की तलाश

नाम - महेश मालवीय
उम्र- 35 वर्ष लगभग
कद- 5 फुट 8 इंच
रंग- गोरा, आंखें मंजरी
निशानी - सीधे हाथ पर एम और स्टार बना है
जानकारी मिलने पर कृपा संपर्क करें :-
9981551700, 6265234274, 8871661728, 9399738432

गुमशुदा रिपोर्ट नंबर

# देव आईटी ने क्यू3 एफवाय25 में कुल आय में की 51 प्रतिशत की वृद्धि

**मुंबई , एजेंसी।** देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एनएसई - देव आईटी, बीएसई -), जो क्लाउड सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लिकेशंस और मैनेज्ड आईटी सेवाएं प्रदान करने वाली एक वैश्विक आईटी सेवा कंपनी है, और जिसकी प्रमुख उत्पाद श्रृंखला में टैलिजेंस और बाइटसाइनर शामिल हैं, ने वित्तीय वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए श्री प्रणव पांड्या, संस्थापक और चेयरमैन ने कहा, हमें क्यू3 एफवाय25 के प्रदर्शन पर गर्व है, जो निरंतर वृद्धि को दर्शाता है, जिसे हमारे चल रहे विस्तार और ग्राहक अधिग्रहणों द्वारा समर्थित किया गया है। हमारी साइबर सुरक्षा सेवाएँ, प्रमुख अनुबंध जीत, और ध्ये कंसल्टिंग सर्विसेज का अधिग्रहण हमारी प्रगति में योगदान दे रहे हैं, जिससे हमारी आईटी समाधान क्षमता को बढ़ावा मिला है। हमारे यू.एस.-आधारित क्लाइंट्स से एंटरप्राइज अनुबंध हासिल करना और आईटी ऐज़ ए सर्विस श्रेणी में बेस्ट एमएसपी अवार्ड से सम्मानित होना, हमारे उद्योग में बढ़ती विशेषज्ञता को उजागर करता है। डेव एक्सेलेरेटर लिमिटेड की आईपीओ फाइलिंग हमारे मैनेज्ड ऑफिस स्पेस व्यवसाय के विस्तार की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमारी सेवा पोर्टफोलियो को और भी विस्तारित करेगा। भविष्य में, हम अपनी साइबर सिक्युरिटी सॉल्यूशंस, डिजिटल रूपांतरण सेवाएं, और क्लाउड पेशकशों को विकसित हो रहे बाजार की जरूरतों के साथ संरेखित करने के लिए एआई/एमएल-प्रेरित नवाचारों का लाभ उठाकर और अपनी वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करके विस्तार पर केंद्रित रहेंगे।

## गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने एयरो इंडिया के दौरान किया रणनीतिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर




**मुंबई, एजेंसी।** गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की कंपनी, गोदरेज एंड बॉयस का एयरोस्पेस व्यवसाय भारत सरकार द्वारा समर्थित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में योगदान करने के लिए बेंगलुरु में आयोजित एयरो इंडिया 2025 के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर देश के आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दृढ़ कर रहा है। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) के साथ हुआ यह समझौता देश के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम के लिए फ्लाइट कंट्रोल एक्चुएटर के देश में विनिर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह समझौता ज्ञापन फ्लाइट-क्रिटिकल डीडीवी-आधारित सर्वो एक्चुएटर और संबंधित कार्यात्मक तत्वों (फंक्शनल एलिमेंट) के लिए कल-पुर्जे विकसित करने के लिहाज़ से एडीए के साथ गोदरेज की दो दशक लंबी साझेदारी पर आधारित है। यह सहयोग महत्वपूर्ण एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप इस समझौता ज्ञापन के तहत, एएमसीए के लिए फ्लाइट कंट्रोल एक्चुएटर का व्यापक विकास करेगा, जिसमें सटीक विनिर्माण, एयरोस्पेस-ग्रेड कच्चे माल की खरीद, असेंबली तथा परीक्षण, और योग्यता परीक्षणों के लिए परीक्षण रिग का विकास शामिल है।

## टीटी ग्रुप और एफ़कॉम कार्गो ने वैश्विक एयर फ्रेट संचालन का विस्तार करने के लिए की सामरिक साझेदारी मजबूत

**चेन्नई , एजेंसी।** टीटी ग्रुप और एफ़कॉम कार्गो ने अपनी सामरिक साझेदारी के एक महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है, जो मूल रूप से 2022 में स्थापित की गई थी, जो अब कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक फैली हुई है। टीटी ग्रुप को ग्लोबल जनरल सेल्स एजेंट (जीएसए) नियुक्त किए जाने और एएफसीओएम कार्गो द्वारा अपने मालवाहक बेड़े का विस्तार करने के साथ, यह सहयोग गतिशील हवाई माल ढुलाई क्षेत्र में एक प्रमुख मील का पत्थर है। यह साझेदारी एयर कार्गो बिक्री, विपणन और नेटवर्क विकास में टीटी समूह की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर वैश्विक विस्तार और उन्नत सेवा पेशकश के एफ़कॉम कार्गो के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस समझौते के तहत, टीटी ग्रुप वैश्विक बिक्री और विपणन की देखरेख करेगा, जबकि एफ़कॉम कार्गो परिचालन गतिविधियों का प्रबंधन करेगा, जिससे प्रमुख व्यापार मार्गों पर निर्बाध कार्गो आवाजाही सुनिश्चित होगी। टीटी ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री अरुण वासु और एफ़कॉम होल्डिंग्स लिमिटेड के अध्यक्ष कैप्टन दीपक परसुरामन ने तेजी से पारगमन समय, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और बढ़ी हुई कार्गो क्षमता प्रदान करने, वैश्विक हवाई माल ढुलाई बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एफ़कॉम की परिचालन उत्कृष्टता और एफ़कॉम की व्यावसायिक विशेषज्ञता के साथ, दोनों कंपनियां भारत की एयर कार्गो क्षमताओं को बढ़ाने के लिए हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। यह पहल भारत सरकार के वोकल फॉर लोकल दृष्टिकोण का समर्थन करने, घरेलू, विश्व स्तरीय मालवाहक नेटवर्क के साथ देश के लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## वैलेंटाईन डे स्पेशलः टाटा प्ले बिंज पर वैलेंटाईन डे मनाने के लिए आपकी मागदर्शिका

**मुंबई, एजेंसी।** प्रेममयी वातावरण में शुरू हो रहा है, बेहतरीन बिंज-उत्सव! वैलेंटाईन डे के अवसर पर टाटा प्ले बिंज कर रहा है सभी को रूमानी। इसलिए तैयार हो जाईये कुछ बेहतरीन प्रेम कहानियाँ देखने के लिए, जिनमें हँसी है, विलाप है, और थोड़ी सी लज्जा भी। चाहे पुरातन कथाओं का प्रणय हो, या फिर भावनात्मक उतार-चढ़ाव, इस वैलेंटाईन डे के अवसर पर टाटा प्ले बिंज आपके लिए लाया है कुछ चुनिंदा और बेहतरीन फिल्में। अपने प्रियजनों के साथ हाथ में पॉपकॉर्न लेकर ये फिल्में देखिए और प्यार को परवान चढ़ने दीजिए क्योंकि इस वैलेंटाईन डे पर सबसे अच्छा अनुभव मिलेगा आपको अपने घर में टाटा प्ले बिंज देखते हुए! प्यार, जुनून और दिल का टूटना। वेद अधूरे सपनों और बेजोड़ मोहब्बत की कहानी है। इस भावुक फिल्म में रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूज़ा देशमुख को सत्य और श्रवणी के किरदार में दिखाया गया है। किस्मत उनकी मोहब्बत का इम्तिहान लेती है। खोए हुए प्यार, अटूट बने रहने वाले प्यार, और प्यार की दोबारा खोज की एक दिलकश कहानी इस फिल्म में है। हृदय में उतर जाने वाली बेहतरीन कहानी और अभिनय के साथ यह फिल्म वैलेंटाईन डे के अवसर के लिए बिल्कुल उपयुक्त है क्योंकि कुछ प्रेम कहानियाँ देखी नहीं जाती हैं, बल्कि महसूस की जाती हैं।

# मलेशियाई हिंदू को बनाया मुस्लिम, क्या सुधारवादी अनवर इब्राहिम में घुस गई जाकिर नाइक की आत्मा



**नई दिल्ली, एजेंसी।** कथित रूप से मुस्लिम उपदेशक बनकर जाकिर नाइक साल 2016 से मलेशिया में रह रहा है। जाकिर नाइक भारत में पैसों के अवैध लेनदेन और चरमपंथ से जुड़े आरोपों में वांछित है। कई देशों में रहने के बाद ज़ाकिर नाइक मलेशिया में हैं जहां उसे स्थायी निवासी का दर्जा मिला हुआ है। भारत ने मलेशिया से ज़ाकिर नाइक को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए कहा है। इस विवादित और कट्टरपंथी उपदेशक को देश के दो प्रमुख कट्टरपंथी इस्लामिक राजनीतिक दल पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी और यूनाइटेड मलेशिया नेशनल ऑर्गनाइजेशन का समर्थन हासिल है। ज़ाकिर नाइक पुत्राजया नामक जगह पर रहता है जो कुआलालंपुर के पास है। पुत्राजया वह जगह है जहां मलेशियाई सरकार के सरकारी दफ़्तर और आवासीय भवन हैं। इस समय सत्ता में अनवर इब्राहिम हैं,जिन्हें यूनाइटेड मलेशिया नेशनल ऑर्गनाइजेशन का समर्थन हासिल है।

जाकिर नाईक देश में भारतीयों और चीनियों का विरोध करते है, इसमें अधिकांश गैर मुसलमान है। अब अनवर इब्राहिम देश में मुसलमानों और गैर मुसलमानों के बीच जो विभाजन रेखा खींच रहे है, उसके पीछे जाकिर नाईक की जहरीली सोच नजर आती है। मलय प्रायद्वीप का पूर्वोत्तर रूढ़िवादी पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी का गढ़ रहा है। यह मलेशिया में एक इस्लामवादी राजनीतिक दल है। वैचारिक रूप से इस्लामी कट्टरवाद और मलय वर्चस्व पर केंद्रित है। वहीं यूनाइटेड मलेशिया नेशनल ऑर्गनाइजेशन, मलेशिया में एक राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है। यूएमएनओ को मलेशिया की ग्रैंड ओल्ड पार्टी के रूप में जाना जाता है। देश की राजनीति में खुद को मजबूत रखने के लिए अनवर इब्राहिम,दक्षिणपंथी और इस्लामिक राजनीतिक दलों को कोई मौका नहीं देना चाहते।

**मलेशिया में मलय मुस्लिम वर्चस्व की भावना को बढ़ावा:** मलेशिया में उन्हें एक सुधारवादी नेता कहा जाता था जो विविधता को पसंद करता है। साल 2022 में हुए आम चुनावों में अनवर की पकातन हरापन या पीएच पार्टी के पास सत्ता में बने रहने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं थी। देश में मलेशियाई इस्लामिक पार्टी सबसे मजबूत दल के तौर पर उभर कर विपक्ष में है जबकि दूसरे सबसे बड़े रुढ़िवादी दल यूनाइटेड मलेशिया नेशनल ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से अनवर की सरकार चल रही है। इन दोनों दलों का ज़ाकिर नाइक को समर्थन हासिल है। नाइक का प्रभाव दूरगामी रहा है और इस उपदेशक ने पूरे देश में धार्मिक और राजनीतिक लहरें पैदा करने में कामयाबी हासिल की है। उसकी उपस्थिति ने मलेशिया में मलय मुस्लिम वर्चस्व की भावना को बढ़ावा दिया है। जाकिर नाइक जिस मलय संस्कृति का समर्थन करता है वह दक्षिण पूर्व एशिया के लोगों की एक सांस्कृतिक पहचान है जिसे मलेशिया में राजनीतिक अवधारणा में ढालकर इस्लामिक पहचान बना दिया गया है। इस्लामिक दुनिया के बड़े नेताओं में शुमार और देश के पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने आधी सदी तक मलय राष्ट्रवाद की राजनीति से सत्ता पर कब्जा बनाएं रखा और बाद में यह मलेशिया की राजनीति की जरूरत बन गया। विविधता पसंद यह देश अब धर्म और नस्लीय राजनीति की आशंका से ग्रस्त है तथा सुधारवादी नेता माने जाने वाले अनवर इब्राहिम भी मलय मुसलमान की पहचान के उस मार्ग पर चलने की कोशिश करने लगे है जिससे यह खूबसूरत देश चरमपंथियों के जाल में उलझ कर अस्थिर हो सकता है।

# 17 फरवरी को इंदौर में मप्र के महापौरों का सम्मेलन, 14 महापौर भाग लेंगे

**भोपाल।** इंदौर में 17 फरवरी को प्रदेश स्तरीय महापौर परिषद का सम्मेलन होगा। मध्यप्रदेश महापौर परिषद के अध्यक्ष होने के नाते पुष्यमित्र भार्गव इस आयोजन की अध्यक्षता करेंगे। इस सम्मेलन में 14 महापौर के आने की औपचारिक स्वीकृति मिल चुकी है, 2 महापौर बाहर होने से सम्मेलन में संभवत: शामिल नहीं हो सकेंगे। इस सम्मेलन में अखिल भारतीय महापौर परिषद की अध्यक्ष माधुरी पटेल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्यमंत्री प्रतिभा बागरी भी समिलित होंगी। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आयोजन में ऑनलाइन सम्मिलित होंगे। ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस एक दिन के सम्मेलन में शहरों के विकास से जुड़े मुद्दों, सरकार से मिलने वाले बजट आवंटन में वृद्धि और महापौरों के अधिकार बढ़ाने संबंधी विषयों पर चर्चा होगी। बताया गया कि उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री के संबोधन के साथ बैठक की शुरुआत होगी। इसके बाद राउंड टेबल चर्चा होगी, जिसमें नगरीय निकायों के विकास और महापौरों के अधिकारों और कर्तव्यों के साथ ही नगरीय निकायों में जो समस्याएं आ रही है उस पर चर्चा की जाएगी। साथ ही कुछ प्रस्ताव भी इसमें पारित किए जाएंगे। बैठक के बाद आने वाले महापौरों को शहर के ट्रेंचिंग ग्राउंड की विजिट भी कराई जाएगी। उन्हें 56 दुकान पर भी व्यंजनों का लुत्फ लेने ले जाया जाएगा। इसके बाद सभी महापौर रणजीत हनुमान मंदिर रोड स्थित विश्राम बाग भी जाएंगे।

# लग्जरी कार के शौक पर सरकार ने चलाई कैंची, अधिकारियों के गाड़ी रखने के नए नियम जारी

**भोपाल।** राज्य सरकार ने अधिकारियों के लग्जरी कार रखने के शौक पर कैंची चलाई है। कौन अधिकारी कितनी गाड़ी रखेगा, और किसी कीमत तक की टैक्सी का उपयोग करेगा, इसके नए नियम बनाए गए हैं। सामान्यत: एक अधिकारी के पास एक ही गाड़ी रहेगी।। राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश के सरकारी अधिकारियों के गाड़ियों के शौक पर नकेल कसने के लिए यह कार्रवाई की है। देखा गया है कि प्रदेश में कई अधिकारियों की सेवा में एक से ज्यादा गाड़ियां लगी हुई हैं. वहीं कई अधिकारियों द्वारा नियमों से बाहर जाकर



लग्जरी गाड़ियां में सफर किया जा रहा है. इसको लेकर मिली शिकायतों के बाद अब राज्य सरकार ने अधिकारियों के सरकारी गाड़ियों के उपयोग को लेकर नई गाइडलाइन जारी कर दी है. तय किया गया है कि सरकारी अधिकारी अब एक से ज्यादा गाड़ी उपयोग नहीं कर सकेंगे. साथ ही राज्य शासन अधिकारियों की गाड़ियों का रिकॉर्ड भी बुला रही है। प्रदेश में सरकारी अधिकारियों के लिए गाड़ियों की पात्रता के संबंध में पहले से नियम तय हैं. नियम है कि 7600 ग्रेड पे पाने वाले अधिकारी साढ़े 6 लाख रुपए कीमत तक के टैक्सी कोटे के वाहन उपयोग कर सकते हैं. इसी तरह 8700 ग्रेड पे के अधिकारी 8 लाख रुपए कीमत तक के वाहन और 9 हजार या उससे ज्यादा ग्रेड पे पाने वाले अधिकारी 10 लाख रुपए कीमत तक के वाहन टैक्सी कोटे में ले सकते हैं. लेकिन इन नियमों का जमकर उल्लंघन किया जा रहा है. सबसे ज्यादा शिकायतें निर्माण विभाग से जुड़े पीडब्ल्यूडी, नगरीय निकाय, जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास को लेकर मिली हैं. इसको देखते हुए संभाग स्तर तक से गाड़ियों के उपयोग और उनको हुए भुगतान की जानकारी मंगवाई गई है. जल संसाधन विभाग ने गाड़ियों के उपयोग को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है.जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार विभाग के सभी अधिकारियों को गाड़ियों को लेकर नई निर्देश दिए गए हैं. अब प्रावधान किया गया है कि टैक्सी कोटे की गाड़ियों का मालिक प्रथम और द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों का रिश्तेदार नहीं होना चाहिए. यदि ऐसा पाया गया तो भुगतान होने वाली राशि से दोगुनी राशि वसूल की जाएगी. साथ ही किराए की गाड़ी सरकारी ड्राइवर द्वारा नहीं चलाई जाएगी।

# इंडियावुड 2025 : लकड़ी और फर्नीचर निर्माण में नवाचार को प्रेरित करने के 25 साल

**विदिशा ।** उद्योग में उन्नति और विकास के एक चौथाई शतक को चिह्नित करते हुए, इंडियावुड 2025, वुडवर्किंग और फर्नीचर निर्माण के लिए प्रमुख व्यापार मेला, 6-9 मार्च 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट और सेंटर , ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर में आयोजित किया जाएगा। न्यूर्नबर्ग मेस्सी के वैश्विक लकड़ी कार्य पोर्टफोलियो का हिस्सा, यह मील का पत्थर संस्करण भारत की निर्माण शक्ति के रूप में उभरने और फर्नीचर और लकड़ी कार्य उद्योग में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को दर्शाता है।

अपनी स्थापना से इंडियावुड ने उद्योग के विकास को आकार दिया है, एक ही मंच पर निर्माता, आपूर्तिकर्ता, प्रौद्योगिकी नेता और पेशेवरों को एकत्र किया है। पिछले ढाई दशकों में, इसने प्रौद्योगिकी में प्रगति, सतत प्रथाओं, और वैश्विक सहयोगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज, जब भारत वैश्विक फर्नीचर उत्पादकों में शीर्ष पांच देशों में स्थान रखता है और अपने फर्नीचर निर्यात को हर साल 20 प्रतिशत बढ़ाने के लिए तैयार है, इंडियावुड उद्योग की प्रगति के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में जारी है।

2025 में 25.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मूल्यांकन किया गया भारतीय फर्नीचर बाजार 2030 तक 37.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लकड़ी फर्नीचर उत्पादन का 62ब्र हिस्सा बनाती है, और यह उद्योग नवाचार और स्थिरता द्वारा प्रेरित परिवर्तन से गुजर रहा है - इसका अधिकांश हिस्सा इंडियावुड में मिलने वाले अवसरों द्वारा प्रेरित है, सोनिया प्रशर, प्रबंध निदेशक, न्यूर्नबर्ग मेस्सी इंडिया ने कहा। इस अवसर पर,यूमाबोइस(यूरोपीय लकड़ी कार्य मशीनरी निर्माताओं की महासंघ) के अध्यक्ष फ्रेडरिक मेयर ने कार्यक्रम और भारत के लकड़ी कार्य और फर्नीचर उद्योग की निरंतर वृद्धि के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की।

## एचडीएफसी बैंक ने पीएसयू कर्मचारियों के लिए भारत का पहला साइबर फ्रॉड कवर - अनमोल सेलरी अकाउंट लॉन्च किया

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज साइबर फ्रॉड कवर के साथ भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) वेतन खाता - अनमोल बचत खाता लॉन्च किया है। एचडीएफसी बैंक अपने बचत खाता उत्पाद में लगातार नवाचार कर रहा है। विभिन्न जरूरतों वाले विभिन्न ग्राहक वर्गों - वरिष्ठ नागरिकों, कामकाजी पेशेवरों, महिलाओं को लक्षित बचत खातों के स्पेशल सूट के एक हिस्से के रूप में, एचडीएफसी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 1.5 लाख रुपए तक का साइबर फ्रॉड कवर प्रदान करता है, जबकि पेशेवरों के लिए साइबर फ्रॉड कवर 25,000-50,000 रुपए तक होता है। इसी तरह, स्पेशल गोल्ड वूमेन खाता महिलाओं को 5 लाख रुपए तक का कैंसर कवर देता है। अनमोल बचत खाते की मु य विशेषताएं हैं ‒ साइबर धोखाधड़ी कवर- 25,000 रुपए तक के साइबर धोखाधड़ी से ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

## अंडमान से अरुणाचल तकः अमेजन फार्मेसी भारत भर में दवाओं की पहुंच को बना रहा है सरल

**बेंगलुरु, एजेंसी।** अमेजन फार्मेसी ग्राहकों को लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से जोड़कर एक सहज अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है, जहां वे घर बैठे ऑनलाइन दवाएं ऑर्डर करने की सुविधा के साथ-साथ बचत और भरोसेमंद डोरस्टेप डिलीवरी का लाभ उठा सकते हैं। यह सेवा भारत के सभी सेवायोग्य पिन कोड्स पर उपलब्ध है। हमारे सत्यापित विक्रेताओं के माध्यम से आप प्रिस्क्रिप्शन दवाओं, ओटीसी दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, सप्लीमेंट्स और स्वास्थ्य उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का पता लगा सकते हैं। अमेजन के देशव्यापी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का उपयोग करके ग्राहक अब विभिन्न दवाओं तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें 23 शहरों, जिसमें प्रमुख मेट्रो और टियर-2 शहर शामिल हैं, में उसी दिन डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध है। अमेजन इंडिया के फार्मेसी निदेशक हर्ष गोयल ने कहा, अमेजन में, हम लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं के साथ काम करते हैं ताकि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुविधाजनक बनाया जा सके और ग्राहकों के लिए ऑनलाइन खरीदारी को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके। अमेजन फार्मेसी के माध्यम से हमारे विक्रेता देशव्यापी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का उपयोग करके हजारों प्रिस्क्रिप्शन दवाएं, ओटीसी दवाएं और स्वास्थ्य आवश्यकताएं ग्राहकों के दरवाजे तक पहुंचाते हैं, यहां तक कि सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में भी दवाएं पहुंचाई जा रही है।

## एयरटेल पेमेंट्स बैंक का वित्तवर्ष 2025 की तीसरी तिमाही का राजस्व 700 करोड़ रुपये तक पहुँचा

**मुंबई, एजेंसी।** एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अपने समेकित परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने 49 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 700 करोड़ रुपये से अधिक का त्रैमासिक राजस्व दर्ज किया है। बैंक का शुद्ध लाभ 70 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 18.5 करोड़ रुपये रहा। इबीआइटीडीए में 66 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि हुई और यह वित्तवर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 87 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

इस तिमाही के दौरान बैंक के मासिक विनिमय करने वाले यूज़र्स 62 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 100 मिलियन से ज्यादा थे। वार्षिक सकल मर्चेंडाईज़ वैल्यू 4,000 करोड़ रुपये के करीब पहुँच गई, जिससे प्रदर्शित होता है कि लोगों द्वारा बैंक के डिजिटल बचत खाते, मर्चेंट प्रस्तावों और अन्य उत्पादों को अपनाए जाने में वृद्धि हो रही है। ग्राहकों के बैलेंस में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई और यह 42 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि के साथ 3,332 करोड़ रुपये को पार कर गया।

# स्टार प्लस ने ‘जादू तेरी नज़र डायन का मौसम’ की रहस्यमयी दुनिया का किया अनावरण

**मुंबई, एजेंसी।** स्टार प्लस एक बार फिर साबित कर रहा है कि मनोरंजन की दुनिया में उससे आगे कोई नहीं! चैनल ने अपने मच अवेटेड सुपरनैचुरल शो ‘जादू तेरी नज़र ङ्क डायन का मौसम’ के साथ-साथ इसके गेम ‘जादू तेरी नज़र ङ्क डायन स्लेयर’ को भी लॉन्च कर दिया है। मुंबई में आयोजित शो की प्रेस कॉन्फ्रेंस में, इसके लीड एक्टर्स ज़ैन इबाद खान (विहान) और खुशी दुबे (गौरी) ने अपनी मौजूदगी से महफिल जमा दी। इस खास मौके पर सिर्फ ‘जादू तेरी नज़र ङ्क डायन का मौसम’ की स्टारकास्ट ही नहीं, बल्कि स्ह्लड्डह्ल क्क्षद्यह्वह्य के दो और चर्चित शो ‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ और ‘उड़ने की आशा’ के लीड एक्टर्स भी शामिल हुए। समृद्धि शुक्ला (अभिरा) और रोहित पुरोहित (अरमान) के साथ-साथ कंवर ढिल्लों (सचिन) और नेहा हरसोरा (साइली) ने भी इस इवेंट में हिस्सा लेने के साथ साथ इससे जुडी कई मजेदार एक्टिविटीज़ में भी भाग लिया। मीडिया से बातचीत के दौरान ज़ैन इबाद खान और खुशी दुबे ने अपने किरदारों, शो की सुपरनैचुरल थीम और




विहान और गौरी की रोमांचक यात्रा के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। इस शो में दर्शकों को जबरदस्त सस्पेंस, रहस्यमयी ट्विस्ट और अंधेरे ताकतों से जूझते किरदारों की एक अनोखी कहानी देखने को मिलेगी। सबसे खास बात यह है कि ज़ैन और खुशी की जोड़ी एक बार फिर स्क्रीन पर साथ नजर आने वाली है, जिससे उनके फैंस काफी एक्साइटेड हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री पहले भी दर्शकों को खूब पसंद आई थी, और इस बार वे एक नई, रोमांचक दुनिया में एक-दूसरे का साथ निभाते दिखेंगे। ‘जादू तेरी नज़र ङ्क डायन का मौसम’ एक ऐसी कहानी लेकर आ रहा है, जो




विहान और गौरी की रहस्यमयी और रोमांचक दुनिया को दर्शकों के सामने खोलेगा। इस शो में किस्मत के ऐसे अनोखे खेल देखने को मिलेंगे, जो इन दोनों किरदारों को एक-दूसरे के करीब ले आएंगे। जैसे-जैसे विहान और गौरी की तकदीरें आपस में जुड़ती जाएंगी, वैसे-वैसे उनकी ज़िंदगी में नई चुनौतियां भी सामने आती जाएंगी। रहस्यमयी ट्विस्ट्स, जादुई शक्तियां और चौंकाने वाले सस्पेंस से भरपूर, ‘जादू तेरी नज़र ङ्क डायन का मौसम’ आपको एक ऐसी दुनिया में ले जाने वाला है, जहां हर मंत्र, हर जादू किस्मत की दिशा बदल सकता है। ‘जादू तेरी नज़र ङ्क डायन का मौसम’ दर्शकों को सस्पेंस, जादू और रोमांस से भरी एक रोमांचक यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है! यह शो 18 फरवरी 2025 से स्टार प्लस पर शुरू हो रहा है, जहां हर पल एक नया मोड़, हर जादू एक नई रहस्य और हर रिश्ते में छुपा होगा अनकहा एहसास।

स्टार प्लस, जो हमेशा से इंडियन टेलीविजन का ट्रेंडसेटर रहा है, अब एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक नया कदम बढ़ा रहा है। अपने दमदार कंटेंट और इमोशनल कनेक्ट के लिए जाने जाने वाला यह चैनल अब गेमिंग की दुनिया में भी अपना जादू चलाने आ रहा है। मुंबई में हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टार प्लस ने अपने नए एंड्रॉयड गेमिंग ऐप जादू तेरी नज़र-डायन स्लेयर (छ्वञ्जह्र-डायन स्लेयर) की बड़ी घोषणा की।यह गेमिंग ऐप, पॉपुलर शो जादू तेरी नज़र-डायन का मौसम से इंस्पायर होकर बनाया गया है, जिसमें एक्शन और एडवेंचर का तड़का देखने को मिलेगा। 2ष्ठ प्लेटफॉर्म एडवेंचर स्टाइल में तैयार किए गए इस गेम में वही रोमांच और थ्रिल मिलेगा, जो शो में दर्शकों को देखने को मिलता है।

## छिंदवाड़ा: बर्ड फ्लू के चलते लिए गए सभी सैंपल निगेटिव



**छिंदवाड़ा।** जिले में बर्ड फ्लू को लेकर फैली आशंका के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। प्रशासन द्वारा लिए गए सभी सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है, जिससे जिलेवासियों ने राहत की सांस ली है। **बर्ड फ्लू की आशंका और सैंपल जांच** पिछले कुछ दिनों से जिले के विभिन्न हिस्सों में पक्षियों की असामान्य मौतों के चलते प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए जांच के लिए सैंपल एकत्र किए थे। पशु चिकित्सा विभाग की टीमों ने विभिन्न पोल्ट्री फार्म और प्रभावित क्षेत्रों से नमूने लेकर उन्हें राज्य स्तरीय लैब में जांच के लिए भेजा था। रिपोर्ट में कोई संक्रमण नहीं जांच रिपोर्ट के अनुसार, सभी सैंपल निगेटिव पाए गए हैं। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल जिले में बर्ड फ्लू का कोई खतरा नहीं है, लेकिन सतर्कता अभी भी बरती जाएगी।

## नेशनल लोक अदालत 8 मार्च को, बैठकों का आयोजन



**सौसर ।** म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 08 मार्च 2025 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इसके अंतर्गत तहसील न्यायालय सौंसर में माननीय श्रीमान सुशांत हुद्दार, प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिन्दवाडा के कुशल नेतृत्व में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा।तहसील विधिक सेवा समिति सौंसर द्वारा अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रीसिटिंग बैठकों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत अधिवक्ता संघ सौंसर, एसडीओपी सौंसर, थाना प्रभारियों सौंसर, मोहगांव लोधीखेडा, बिछुआ, नगर पालिका सौंसर, मोहगांव, लोधीखेड़ा, पिपला ना. वार, बिछुआ, विद्युत वितरण कंपनी सौंसर, पाडुर्णा, बिछुआ, बीएसएनएल सौंसर, बैंक समस्त शाखा तहसील सौंसर, बिछुआ के साथ बैठक ली गई। बैठक की अध्यक्षता जिला न्यायाधीश सौंसर श्री विवेक कुमार सिंह, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड सौंसर श्री सचिन जैन, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड सुश्री सौम्या सिंह, श्री अनिरूद्ध कुमार उचाडिया, सुश्री संयोगिता खत्री द्वारा की गई। उपस्थित सभी विभाग प्रमुखों से आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग किए जाने की अपील की गई।

## छत्रपति शिवाजी जयंती मनाई जायेगी



**छिंदवाड़ा.** जिला क्षत्रिय मराठा समाज अपने आराध्य शूरवीर छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती भव्यता के साथ मनाने की तैयारी में जुटा हुआ है। मराठा समाज के जिला अध्यक्ष प्रवीण काटकर ने बताया कि 19 फरवरी को शिवाजी जयंती भव्य रूप से मनाने को लेकर रूपरेखा कर तैयारी की जा रही है। इसके लिए सामाजिक बंधुओं के घर-घर जाकर उन्हें आमंत्रण दिए जा रहे है। 19 फरवरी बुधवार को सुबह 8.30 बजे छत्रपति शिवाजी चौक स्थिति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अभिषेक, पूजन एवं माल्यार्पण किया जाएगा। यहां समाज के वरिष्ठ वक्ता शिवाजी महाराज के जीवन और शौर्य पर अपने वक्तव्य रखेंगे। सभी सामाजिक बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। जिला अध्यक्ष श्री काटकर ने बताया कि शाम को 6 बजे से चंदनगांव स्थित पवार मंगल भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। बच्चों की नृत्य एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। जिन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं उपस्थित सामाजिक बंधुओं के लिए उपहार कूपन योजना भी रखी गई है। जिसका लकी ड्रा निकाला जाएगा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिले के सांसद विवेक बंटी साहू एवं भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव को आमंत्रित किया गया है।

## वेलेंटाइन डे को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल ने प्रेमी युगलों को दी समझाइश और साथ ही चेतावनी

**छिन्दवाड़ा।** लगातार अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के द्वारा 14 फरवरी को लेकर प्रेमी युगलों को समझाइश दी जा रही हैं की हमे पश्चाताप संस्कृति दक्षिण सभ्यता का त्याग कर सनातनी सभ्यता का अनुपालन करना है इस बार 14 फरवरी वैलेंटाइन डे को मातृ पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाया जाएगा ज्ञात हो कि 14 फरवरी के दिन ही हमारे वीर जवान शहीद भी हुए थे। अगर किसी भी धार्मिक स्थान पे पार्क में होटल में स्कूल कॉलेज में किसी प्रकार से कोई फूहड़पन या कोई हरकत करते युगल जोडा पाया गया उसको बक्सा नहीं जाएगा. राष्ट्रीय मजदूर परिषद् विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक भावरकर जी ने युवाओं को युवतियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यह विदेशी परंपरा हमारे यहां बर्दाश्त नहीं की जाएगी हम सनातन धर्म के वंशज है इसलिए आप हर वर्ष 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे नहीं मातृ पितृ पूजन दिवस एवं शहीद दिवस मनाएं राष्ट्रीय बजरंग दल के बजरंगियों की नजर हर जगह पर बनी रहेगी अगर फिर भी इस प्रकार की कोई गलती करते पाया गया उसकी जिम्मेदार वहां स्वयं और उनके माता-पिता होंगे जो उनको अच्छे संस्कार नहीं दे पाए।

## संत रविदास समाज ने किया विवाह और युवक युवती परिचय सम्मेलन

**छिंदवाड़ा।** जिला संत रविदास समाज संगठन ने संत रविदास के 648 में जन्मोत्सव पर दशहरा मैदान में विवाह तथा युवक युवती परिचय का सम्मेलन आयोजित किया। जिला संगठन के अध्यक्ष श्री श्याम डोले ने बताया कि जयंती पर्व के दिन दो सामाजिक जोड़ों का बड़ी धूमधाम के साथ विवाह कराया गया, साथ ही विभिन्न जिलों से आए संत रविदास समाज के युवक यूवतियो ने भी मंच पर अपना परिचय प्रस्तुत किया। सांसद विवेक बंटी साहू तथा जबलपुर डिवीजन विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता के एल वर्मा व छिंदवाड़ा मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट डॉ रवि टांडेकर तथा छिंदवाड़ा विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री खुशियाल शिववंशी जी के मुख्य अतीथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

## सहकारी बैंक में हैं सभी सुविधाएं उपलब्ध, अधिक से अधिक किसानों और विभागों के खाते खुलवाएं: कलेक्टर



**छिन्दवाड़ा।** कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में कृषि एवं सह संबद्ध विभागों उद्यानिकी, पशुपालन, दुग्ध संघ, मत्स्य पालन, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, सहकारिता एवं खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की फॉलोअप समीक्षा बैठक ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने रबी बोनी, उर्वरक भंडारण एवं वितरण की जानकारी प्राप्त की और जिले में किए गए पॉप कॉर्न के नवाचार, सुपर सीडर/हैप्पी सीडर से जीरोटिलेज तकनीक के नवाचार, अरहर किस्म पूसा-16 का 50 हैक्टर में रिजफरो तकनीक से नवाचार, कुसुम फसल का जिले में पहली बार नवाचार एवं रबी सीजन में लगाए गए मक्का फसल की स्थिति के संबंध में फीडबैक लिए और सामने आए सकारात्मक परिणामों पर विस्तृत चर्चा की। उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि रबी वर्ष 2024-25 में 304.20 हजार हैक्टर में गेहूं की फसल की बोनी की गई है। चना 44.30 हजार हैक्टर, राई सरसों 35.40 हजार हैक्टर में और गन्ना 8.40 हजार हैक्टर में बोया गया है। अन्य फसलों को मिलकर इस प्रकार कुल 305.20 हजार हैक्टर में अनाज, 55.12 हजार हैक्टर में दलहन, 37.08 हजार हैक्टर में तिलहन और 8.40 हजार हैक्टर में गन्ने को मिलाकर कुल 405.80 हजार हैक्टर में बोनी पूरी हो चुकी है। जबकि पिछले रबी वर्ष 2023-24 में कुल बोया गया रकबा 396.15 हजार हैक्टर था। जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। मांग के अनुरूप उर्वरक रैक लगातार प्राप्त हो रहे हैं।

### सहकारी बैंक में खुलवाएं अधिक से अधिक खाते

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सहकारी बैंक में खाता धारकों के लिए निजी बैंकों की तरह एटीम कार्ड, डेबिट कार्ड सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋष्ा की सुविधा केवल सहकारी बैंक द्वारा दी जाती है। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं और सभी किसानों और ग्रामीणों के खाते सहकारी बैंकों में खोलने के लिए प्रेरित करें। सभी शासकीय विभाग और एन.आर.एल.एम भी अपने नवीन खाते सहकारी बैंकों में ही खुलवाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने महाप्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक श्री जैन को अल्पावधि कृषि ऋष्ाों की वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। वर्ष 2024-25 में मांग 1195.29 करोड़ के विरुद्ध अभी तक केवल 200.18 करोड़ रुपए की वसूली हुई है, यद्यपि यह गत वर्ष से अधिक है।

### कृषि में नवाचारों के दिख रहे हैं सकारात्मक परिणाम

कलेक्टर श्री सिंह की प्रेरणा से जिले में पहली बार पॉपकॉर्न की कॉन्ट्रैक्ट फॉर्मिंग का नवाचार कराया गया है। फसल की स्थिति बेहतर है, अच्छे परिणाम आने की संभावना है। इसी तरह खरीफ सीजन के मक्के की नरवाई प्रबंधन कर गेहूं फसल की बोआई के लिए सुपर सीडर के माध्यम से जीरोटिलेज तकनीकी का नवाचार किया गया है। जिले में 104 किसानों को सुपर सीडर, हैप्पी सीडर क्रय करने के लिए पोर्टल के माध्यम से आवेदन कराया है, 70 किसानों द्वारा क्रय किया जा चुका है। इस तकनीक के अवसरण के अंतर्गत 5000 एकड़ में सुपर सीडर, हैप्पी सीडर के माध्यम से मक्का एवं अन्य फसलों का अवशेष प्रबंधन एवं गेहूं की बोआई की गई है। जिससे नरवाई जलाने की घटनाओं में बहुत कमी आई है। विकासखंड छिंदवाड़ा के ग्राम सलैया में गेहूं की नई किस्म डी.बी. डबल्यू.-303 व 187 बोई गई है, जिसमें फसल की स्थिति अच्छी है। एपीसी के निर्देशानुसार जिले में अरहर किस्म पूसा-16 के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए जिले में 10 क्विंटल अरहर किस्म पूसा-16 का 50 हेक्टर में रिजफरो तकनीक से नवाचार कार्यक्रम में किया गया है। चौरई विकासखंड के ग्राम बेलखेड़ा के कृषकों ने लगभग 40 से 50 एकड़ में रबी सीजन की मक्का फसल लगाई है, फसल की स्थिति अच्छी है, जिससे रबी सीजन में भी मक्के का रकबा बढ़ रहा है। बेलखेड़ा में काबुली चने का नवाचार भी किया गया है। विकासखंड मोहखेड़ के ग्राम भुताई के कृषक श्री कैलाश पावर द्वारा जिले में पहली बार स्ट्रॉबेरी का नवाचार किया गया है। एक एकड़ से 11000 किलो फसल प्राप्त कर अब तक प्रति एकड़ 11 लाख रुपए की आय प्राप्त कर चुके हैं।

## रेडियो के लिए सेटेलाईट छोड़ने की जरूरत

### हिन्दी के प्रसार-प्रचार का श्रेष्ठ माध्यम होगा

**गोविन्द चौरसिया**



छिंदवाड़ा। आज विश्व रेडियो दिवस है, रेडियो मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, टेलिविजन के आने के बाद इसका महत्व कम हो गया क्योकि जिस घर में टी.व्ही.होगा वहां रेडियो नहीं होगा, मोबाईल मे भी टी.व्ही. के चेनल एवं रेडियो है, किन्तु उसके बाद भी आज रेडियो की अपनी महत्ता है।

टी.व्ही. नहीं था तब रेडियो होते थे, रेडियो में 3 बैन्ड होते थे, अब रेडियो में एफ एम बैन्ड भी है, जो स्थानीय श्रोताओं के लिए ही रहता है, रेडियो की आवाज ग्रामीण क्षेत्रों में सुनी जाती है। रेडियो में विविध भारती आता है, जो एफ एम बैण्ड के माध्यम से सुना जाता है, जिसमें समाचार, आने एवं महत्वपूर्ण जानकारियां श्रोताओं को मिलती है। आज भी जो रेडियो निर्माता है वे एफ.एम. के साथ शार्टवेव एवं मीडिया बेव रहते है किन्तु रेडियो में सिर्फ एफ.एम. रेडियो ही बजता है जहां पर एफ एम बैण्ड के रेडियो स्टेशन है वहां ही रेडियो बजता है, किन्तु बाकी दो बैण्ड में कोई कार्यक्रम नहीं आते।

श्रोताओं को याद होगा कि पहले रेडियो सीलोन में बिनाका गीत माला, बी.बी.सी लन्दन एवं अन्य स्टेशन में कार्यक्रम आते थे, जिसकी जबर्दस्त लोक प्रियता थी इसके अलावा विदेशों के कई चेनल आते थे, जिससे समाचार एवं अन्य जानकारियां मिलती थी।

रेडियो में मीडियम एवं शार्ट वेव के सभी स्टेशन प्रारम्भ हो जावे तो कई तरह के कार्यक्रम रेडियो आने लगेंगे। रेडियो का सबसे बड़ा फायदा हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सरकार छोटे-छोटे एफ.एम. रेडियो स्टेशन के स्थान पर एक सेटेलाईट रेडियो प्रसारण के लिए छोड़ा जावे, जो देश के कोने-कोने में प्रसारण करेगा।

आज भी देश के कई हिस्सो में हिन्दी बोली एवं समझी नहीं जाती। हिन्दी को सीखना आसान है क्योकि वह बोलचाल की भाषा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रेडियो के लिए सेटेलाईट छोड़ रेडियो के बैण्ड प्रारम्भ करने हेतु कई पत्र भी लिखे गये है, किन्तु सरकार ने ध्यान नही दिया। कहा जा सकता कि सरकार को हिन्दी के प्रसार-प्रचार के लिए सेटेलाईट छोड़ना चाहिये, विदेशो के सभी स्टेशनों को चालू करना चाहिये, इस माध्यम से विदेशी भाषा भी घर बैठे सीखा जा सकता है। रेडियो के सभी बैण्ड एवं स्टेशन प्रारम्भ होने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभायें निखारने का मौका मिलेगा। सरकार रेडियो के लिए सेटेलाईट छोडेगी तो देश के कोने-कोने में रेडियो की आवाज पहुंचेगी श्रोताओं को याद होगा चीन में बना एफ एम रेडियो जो पाकेट ट्रान्सजिस्टर कहलाता था 60 रूपए में मिलता था और कोई भी जेब में रखकर अपना मनोरंजन करता था सभी रेडियो स्टेशन प्रारम्भ होने से रेडियो का उत्पादन भी बढेगा जिससे रोजगार भी पैदा होगा।

विश्व रेडियो दिवस पर सरकार एवं श्रोताओं को बधाई शुभकामानायें।

## एच5 एन1 के भेजे गये सभी 65 ह्यूमन सैम्पल की रिपोर्ट निगेटिव

**छिन्दवाड़ा।** शहरी क्षेत्र छिंदवाड़ा में पशु विभाग द्वारा बिल्लियों के भेजे गये एच5 एन1 के सैम्पल पॉजीटिव आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एन.के.शास्त्री द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिला स्तरीय शहरी क्षेत्र में टीम गठित कर, सर्विलेंस किया गया तथा जिन बिल्लियों की एच5 एन1 की पॉजीटिव रिपोर्ट आई थी, उनके संपर्क में आये हुये संबंधित व्यक्तियों के कुल 65 ह्यूमन सैम्पल एच5 एन1 की टेस्टिंग के लिये नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरलॉजी पुणे में 10 फरवरी 2025 को भेजे गये थे। लैब से 12 फरवरी 2025 को प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार सभी 65 ह्यूमन सैम्पल की रिपोर्ट निगेटिव पाई गई है।

## चंद्रभागा नदी पर बनी रिटर्निंग वॉल बनाने में हुई लापरवाही पर कार्यवाही पर न.पा. अधिकारी मौन

### न.पा. इंजीनियर व अधिकारी की लापरवाही, निजी ज़मीन के 10 फिट अंदर बना दी रिटर्निंग वॉल



**पांढुर्ना ।** शहर के चंद्रभागा नदी पर बनी रिटर्निंग वॉल में भारी लापरवाही बरती गई हैं। इसका खुलासा,राजस्व निरीक्षक के सीमांकन करने के बाद बनी पंचनामा रिपोर्ट के एवं राजस्व निरीक्षक के बयान के आधार पर नदी की सीमा 85 फिट की भू-राजस्व अभिलेख में दर्ज हैं। इसके बावजूद न.पा. के इंजीनियर सुनील बघेले व अन्य अधिकारी की लापरवाही से रिटर्निंग वॉल नदी के एक तरफ- निजी भूस्वामी के निजी ज़मीन पर बना दी। इस पर इंजीनियर द्वारा कहा गया हैं कि आर.आई. के निर्देश रिपोर्ट आने के पश्चात आगे की कारावाही की जाएगी । अब जो नुकसान हुआ है,उसकी भरपाई अब आम जनता से होगी, इस पर अधिकारी अपनी ग़लती पर पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। बिना मापदंड के, बिना सीमांकन के ,बिना रेखा-चित्र के इतनी बड़ी ग़लती कैसे हो सकती है? अब दूसरी बार वॉल नदी के किनारे दुबारा बनाने के बाद सीवर लाइन के लिए जगह नहीं बचेगी वो कहा से बनेंगी? इस पर प्रश्न चिन्ह ? लगा हुआ हैं,और किसी अधिकारी के द्वारा रिटर्निंग वाल बनाते समय उचित निरीक्षण न करने की लापरवाही भी उजागर हो रही हैं। अब देखते है न.पा. पालिका प्रशासन इस पर क्या कदम उठाती है?

## अवैध देसी शराब बरामद

**अमरवाड़ा।** थाना अंतर्गत ग्राम विनेकी में सहायक उप निरीक्षक करतार सिंह बघेल ने जमना धुर्वे एक कब्जे में रखी देसी शराब बरामद किया, वही ग्राम बाबई निवासी सुनीता के पास से प्रधान आरक्षक हरिप्रसाद ने एवं अरविंद के पास से प्रधान आरक्षक रामदयाल ने देसी कच्ची महुआ की शराब बरामद कर और ग्राम पटनिया में दिलीप यादव ने रूपलाल के पास से केन में रखी हुद्दद् अवैध शराब बरामद किया आबकारी अधिनियम 34 मैं मामला दर्ज किया

## सट्टा की धरपकड़ एक आरोपी गिरफ्तार

**अमरवाड़ा।** नगर में इन दिनों सट्टा चलने की खबर पर पुलिस द्वारा अपने मुखवीर सक्रिय किया जिससे स्टेडियम रोड के आगे उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह बघेल ने राकेश नामक युवक को धर दबोचा आरोपी के पास से पैन कागज एवं मोबाइल तथा नगद रुपए बरामद हुए आरोपी के विरुद्ध 4(का) सट्टा एक्ट में आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

## रैली निकालकर सहकारिता का महत्व समझाया

**छिन्दवाड़ा।** अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य पर सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक छिन्दवाड़ा के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से जागरूकता रैली निकाल कर सहकारिता की भावनाओं को जाग्रत करते हुये लोगों को सहकारिता का महत्व समझाया। सहकारी कर्मचारियों ने सहकारिता की भावनाओं से ओत-प्रोत गीतों का गुंजायमान करते हुये सहकारिता विभाग के कार्यालय से जिला सहकारी संघ कार्यालय तक पैदल जागरूकता रैली निकाल कर जिला सहकारी संघ में सामूहिक रूप से एकत्रित होकर सहकारिता के सतरंगा ध्वज का ध्वजारोहण किया।

## वार्षिक स्नेह सम्मेलन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मन मोहा

### शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा में 3 दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का समापन




**छिंदवाड़ा।** शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा में गुरूवार को वार्षिक स्नेह सम्मेलन के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात विधिवत् ज्ञान की आराध्य देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पूजा अर्चना व माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पीएम शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ वायके शर्मा, लक्ष्मण ठाकरे, पीएस उइके, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बीके अकोदिया आदि उपस्थित थे। स्नेह सम्मेलन प्रभारी डॉ राकेश कुमार कोष्टी ने बताया की सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, नाटक, काव्यपाठ आदि में रंगारंग प्रस्तुतियां। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मन मोहा, जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बाजी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की वार्षिक स्नेह सम्मेलन के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा कौशल का प्रदर्शन करने के मौका मिलता है। उन्होंने ने सफलतम् आयोजन के लिए महाविद्यालय को शुभकामनाएं भी दी। साथ ही कहा कि विधि महाविद्यालय में छात्र संख्या कम करने के बाद भी अनेकों उपलब्धियों प्राप्त की है जिसकी जितनी तरफ की जाएं उतनी ही कम है। विधि की शिक्षा प्राप्त करने के बाद समाज के गरीब तपके के लोगों को न्याय दिलाने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करने की बात कहीं। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बीके अकोदिया ने अपने स्वागतीय उद्बोधन के माध्यम से महाविद्यालय की उपलब्धियां बताई। कार्यक्रम में मंच संचालन छात्र उमेश साहू के द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया।

### कार्यक्रम में इनकी रही मौजूदगी

स्नेह सम्मेलन में सहायक प्राध्यापक डॉ कमलाकर मोटघरे, डॉ दम्यंती कटरे, डॉ स्नेहा सिंह, कमलेश चरपे, तरूण यादव, तरूण देशमुख, कीर्ति कोबरे, अशोक यादव, दिनेश मूल सहित बड़ी संख्या महाविद्यालयीन विद्यार्थी उपस्थित थे।

### इन्होंने ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बाजी

एकल नृत्य में प्रथम- राजकुमारी उइके, द्वितीय स्थान आशुतोष धुर्वे, तृतीय स्थान एकता मिश्रा ने प्राप्त किया। समूह नृत्य मे प्रथम स्थान - आशुतोष धुर्वे, दिव्या सोनी,आराधना यादव, रितिक तिवारी, द्वितीय स्थान - अनुष्का ठाकुर, अमृता जावरे, हिमांशु अग्निहोत्री, तृतीय स्थान - श्रद्धा धुर्वे, अमृता सनोडिया ने प्राप्त किया। तो वहीं वर्ष 2024-25 के में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का खिताब से आशुतोष धुर्वे को नवाजा गया। साथ ही शतरंज स्पर्धा में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आयुष ए प्रसाद को सम्मानित किया गया। नशा मुक्ति पर आधारित नाटक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

## ड्रेस पाकर आंगनवाड़ी बच्चों के चेहरे पर खुशी



**सौंसर।** ग्राम पंचायत बोरगांव आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को ड्रेस वितरण किया गया। श्री रविप्रकाश सिंह,ज्ञानेश्वर परिहार, एवं पटवारी महोदय सरियाम जी के सौजन्य से आंगनबाड़ी के बच्चों को ड्रेस प्रदान कि गईद्य इस अवसर पर प्रमुख रूप से ग्राम के सरपंच श्री पंकज दातरकर,जनपद सदस्य श्री सेवकराम गमे,पंच श्वेता ताई पुसदेकर, सचिव कमलाकर बोबडे, अतुल बोबडे एवं प्रमुख अतिथी के रुप मे सामाजिक कार्यकर्ता रविप्रकाश सिंह (निक्की), ज्ञानेश्वर परिहार(नानू),पटवारी सरियाम एवं सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहेद्य ड्रेस पाकर बच्चे बहुत ज्यादा खुश हुए। इस अवसर पर सरपंच महोदय द्वारा कहा गया की आंगनवाड़ी केन्द्रों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर सुविधा मिले इसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। अधिक से अधिक बच्चे केन्द्रों में उपस्थित रहे, इसके लिए हमको पूरी तरह से तत्पर रहना होगा। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चे पोशाक में ही आएं, इससे एकरूपता बनी रहती है। प्रमुख अतिथियों द्वारा बच्चों को ड्रेस के साथ बिस्किट एवं चाकलेट वितरित कि गई द्य बोरगांव की 6 आंगनवाड़ी एवं जामलापाणी की 1आंगनवाड़ी में कूल 120 बच्चों को ड्रेस वितरित कि गई द्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा सभी अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

## बीते तीन माह से वेतन भी नहीं नोटिस भी नहीं

### बल्कि धमकी मिल रही है बीईओ से

**छिंदवाड़ा।** श्रीमती मीरा झरिया सहायक शिक्षक जिनकी अगस्त 2019 में मूल पदस्थापना स्थानांतरण द्वारा मध्य प्रदेश शासन के निर्देश के तहत् कार्यालय कलेक्टर आदिवासी विकास छिंदवाड़ा के आदेश अनुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संकुल केंद्र नंदन से संकुल प्राचार्य दमुआ के अधीन कमला नेहरू सीनियर आदिवासी कन्या छात्रावास में अधीक्षक पद पर की गई है। वर्तमान में श्रीमती मीरा झरिया ने माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के अनुसार सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग छिंदवाड़ा द्वारा पूर्व पदस्थ संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संकुल केंद्र नंदन में बीते माह नवंबर से शिक्षण कार्य करने के लिए आदेशित किया है। इस शिक्षण के साथ-साथ उन्हें समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा नजदीकी संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास नंदौरा में वार्डन का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। आदेशानुसार बखूबी यह शिक्षिका दोनों उत्तरदायित्वो का निर्वहन कर रही है फिर भी बीते तीन माह से बगैर सूचना दिए आज तक वेतन नहीं दिया गया है। वेतन देने हेतु संबंधित सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त छिंदवाड़ा द्वारा आदेश भी किए गए है। वेतन रोकने के संबंध में दोनों बी ई ओ जो एक ही पद पर अवैधानिक रूप से जुन्नारदेव में कार्य कर रहे हैं ओमप्रकाश जोशी प्रधान पाठक माध्यमिक शाला साजकुही विकासखंड तामिया एवं श्रीमती चंद्रकला सातनकर प्राचार्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमुआ जो उच्च अधिकारी के आदेश के बाद भी वेतन नहीं दे रहे हैं, बल्कि संबंधित शिक्षिका को मौखिक रूप से धमकी दे रहे हैं कि वेतन नहीं मिलेगा चाहे कुछ भी कर लो? बड़े अधिकारी के आदेश के बाद भी संबंधित शिक्षिका को समझ में नहीं आ रहा है कि वह क्या करें? यह प्रश्न चिन्ह है? शिक्षण कार्य और वार्डन के अतिरिक्त दायित्वों का निर्वहन करने के बाद भी वेतन दोनों बीईओ द्वारा नहीं दिया जा रहा है। संबंधित सहायक शिक्षिका (वार्डन) ने कहा है कि बीते तीन माह से वेतन न मिलने के कारण वह आर्थिक संकट में है और हाउस लोन की तीन किस्त भी ड्यू हो गई है ब्लड प्रेशर की पेशेंट के साथ-साथ वह भरण पोषण निर्वाह की कठिनाई की वजह से मानसिक कष्ट में भी है वर्तमान में आयकर गणना पत्रक भी भरना है। संबंधित शिक्षिका ने जिम्मेदार अधिकारीयों की ओर उच्च अधिकारी के आदेश का स्मरण कराते हुए आवेदन दिया है कि अतिशीघ्र वेतन भुगतान कष्ट करें।

## 4 गंभीर मरीजों को मिली 1 लाख 30 हजार की आर्थिक सहायता

**छिंदवाड़ा।** सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों से छिंदवाड़ा जिले के निवासी 4 गंभीर मरीजों का अस्पताल में ईलाज हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सांसद श्री साहू के निवेदन पर अपनी स्वेच्छानुदान निधि से 1 लाख 30 हजार की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर दी है। यह चारों मरीज छिंदवाड़ा जिले के लहगडुआ(अमरवाड़ा), माल्हनवाड़ा, झीलपिपरिया और लहगडुआ(छिंदवाड़ा) के निवासी है।

## रक्तदान शिविर के साथ होगी एक शाम शहीदों के नाम

### झंडा वंदन समिति एवं व्यापारी मंडल करेगा पुलवामा हमले के शहीदों को नमन



**छिंदवाड़ा।** 6 वर्ष पूर्व पुलवामा में हुए आतंकी हमले में मां भारती की सेवा में सलग्न हमारे 40 वीर जवान शाहिद हुए जिनकी याद में सिंगोड़ी की झंडा वंदन समिति एवं व्यापारी मंडल द्वारा प्रति वर्ष 14 फरवरी को रक्तदान शिविर के साथ एक शाम शहीदों के नाम का आयोजन कर सभी वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन करता है। कार्यक्रम संयोजक निशंक जैन ने बताया कि यह हमारा 6 वां वर्ष है जिसमें शासकीय बालक माध्यमिक शाला बस स्टैंड सिंगोड़ी में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रक्तदान शिविर जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक के सहयोग से किया जावेगा एवं रात्रि 8 बजे से बाजार चौंक में एक शाम वीर शहीदों के नाम आर्केस्ट्रा का आयोजन कर भारत माता के वीर शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जावेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छिंदवाड़ा एवं पांढुरना के सांसद भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. शेषराव यादव, अमरवाड़ा विधायक कुंअर कमलेश शाह, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्षेत्रीय अधिकारी कैलाश नारायण कटारे रहेंगे एवं अध्यक्षता सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजन दीपक राज जैन करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में नपानि महापौर विक्रम आहके, पूर्व विधान सभा प्रभारी अमरवाड़ा उत्तमसिंह ठाकुर, अध्यक्ष पूर्व जिला महिला मोर्चा श्रीमती कामनी शाह, अध्यक्ष रॉयल क्लब छिंदवाड़ा गुरजीत सिंह शंटी बेदी रहेंगे एवं आमंत्रित अतिथि के रूप में अमरवाड़ा नायब तहसीलदार श्रीमती निधि तिवारी, अमरवाड़ा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी रविंद मिश्रा, अमरवाड़ा थाना प्रभारी राजेंद्र धुर्वे एवं सिंगोड़ी उप निरीक्षक चौंकी प्रभारी सिंगोड़ी पंकज राय सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। जिन्हें महोत्सव समिति ने सादर आमंत्रित किया। जिसमें सम्मिलित होकर रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने की अपील समस्त जिले वासियों से आयोजक झंडा वंदन समिति एवं व्यापारी मंडल सिंगोड़ी द्वारा की गई है साथ रात्रि 8 बजे से बाजार चौंक में आयोजित एक शाम शहीदों के नाम आर्केस्ट्रा में सपरिवार सम्मिलित होने की अपील की है।

(वेलेंटाइनडे विशेष)

जी. के. छिब्बर

## प्यार की अभिव्यक्ति का दिवस

गुड़ से मिट्ठा ईश्क ईश्क
इमली से खट्टा ईश्क इश्क ।

वेलेंटाइन डे पश्चिमी संस्कृति में प्रेम की अभिव्यक्ति के लिए और मोज मस्ती के दिन है इसका प्रभाव भारत में भी हो गया है अब तो अधिकतर विवाह भी इस दिन होने लगे है लेकिन प्रेम केवल एक दूसरे का आकर्षण नही सम्मान और समर्पण भी है

भारतीय संस्कृति में प्यार मोहब्बत और इश्क की मर्यादा रही है परंतु पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव में आज की युवा पीढ़ी बहुत ही अधिक प्रभावित हो रही है जो चिंतन का विषय अवश्य है वास्तविकता यह है कि प्यार मोहब्बत की परिभाषा क्या है सीमा क्या हैं समझना मुश्किल है इसे हम भारत की फिल्मों गीतों के अनेको मधुर गीतो से समझने की कोशिश कर सकते है

सवाल है प्यार क्या है

गीतकार कवर जलालाबादी ने 50 के दशक में लिखा।

वो पास रहे या फिर रहे
नजरो में समाए रहते है
इतना तो बता दे कोई मुझे
क्या प्यार इसी को कहते है ?

आनंद बक्शी फिल्म मोहब्बते में लिखते हैं

चलते चलते कही रूक जाता हूं में
बैठे बैठे कही खो जाता हू में
कहते कहते ही चुप हो जाता हू में
क्या यही प्यार है ?

साहिर लुधियानवी फिल्म इज्जत लिखते हैं

ये दिल तुम बिन कही लगता नही
हम क्या करे
तस्सुवर में कोई जंचता नही
हम क्या करे
तुम्ही कह दो ए जाने वफा
हम क्या करे ?

गीतकार इंदीवर ने फिल्म धर्मात्मा में प्यार का जादू इस तरह व्यक्ति किया

तेरे चेहरे वो जादू है
बीन डोर फिर खींचा जाता हू
जाना होता कही और
तेरी और चला आता हूं

प्यार के इजहार और समर्पण को हसरत जयपुरी लिखा
तुझे देखा तूझे चाहा तुझे पूजा मैने
बस इतनी खाता है मेरी और खता क्या

कवि शैलेंद्र ने प्रेयसी के विरह का चित्रण फिल्म गाइड में यू किया

दिन ढल जाए पर रात न जाए
तू तो ना आए तेरी याद सताए

फिल्म बालिका वधु में बाल प्रेम को व्यक्त करने का गीत आनंद बख्शी ने प्रकृति के साथ सुंदरता से किया।
बड़े अच्छे लगते हैं ये धरती ये नदियां
ये रैना और तुम।

प्रेम का होना या हो जाना या
उसमे खो जाना और पाने के लिए तड़फ हो जाना ही क्या प्यार है यह समझना मुश्किल है फिल्म मेरा नाम जोकर में राजकपूर ने तीन महिलाओं से प्रेम में पड़कर भी किसी को भी ना पा सकने का चित्रण बखूबी किया था
फिल्म के अंतिम सत्र में जब तीसरी प्रेमिका मीना ( पद्मिनी ) बड़ी स्टार बन जाती है तो राजू ( राजकपूर ) से पीछा छुड़ाने के लिए राजू से कुमार निर्माता ( राजेंद्रकुमार ) पूछते हैं कि क्या तुम मीना से प्रेम करते हो तब राजू का जवाब गौर करने वाला है।
राजू कहता है सवाल ये नही की में मीना से मोहब्बत करता हू सवाल यह है कि क्या में मोहब्बत करता हू
हा में मोहब्बत करता हु दुनिया से फूलों से पत्थरो से मर्दों से बड़ो से बच्चो से में सबसे प्यार करता हू
राजू के इस जवाब में प्रेम वास्तविक परिभाषा है
प्रेम सम्मान है त्याग है समर्पण हैं प्रेम किसी को पाने की चाहत नही है पवित्र संबंधों का अहसास है किसी के लिए समर्पित हो जाना ही प्रेम है
फिल्म ताल में आनंद बक्शी ने भी ईश्क प्यार को साधारण शब्दों में कहा
ईश्क बिना क्या जीना यारों
गुड से मीठा ईश्क ईश्क
इमली से खट्टा ईश्क ईश्क।

शायर निदा फाजली ने सटीक लिखा है
दुनिया जिसे कहते है
जादू का खिलोना है
मिल जाए तो मिट्टी है
खो जाए तो सोना है ।
प्रेम दिवस की सभी समर्पित लोगो को शुभकामनाएं।

भोपाल के लालघाटी स्थित रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर की संस्कृत पाठशाला में वेद मंत्रों के साथ मुंडन एवं उपनयन ( जनेऊ ) संस्कार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महापौर मालती राय उपस्थित रही।

# ग्वालियर से जिस 6 साल के शिवाय का अपहरण हुआ उसे मुरैना में खोज लिया!

**भोपाल।** गुरुवार सुबह 8 बजे किडनैप हुए शिवाय गुप्ता को पुलिस ने खोज लिया। रात को बच्चे को मुरैना के काजीबसैया गांव में पुलिस ने पाया और सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया। गुरुवार सुबह अपहरणकर्ताओं ने शिवाय की मां की आंख में मिर्ची डालकर उसे रास्ते से मां से छीनकर बाइक से भाग गए थे।। 6 साल के बच्चे की किडनैपिंग के बाद ग्वालियर के साथ मुरैना-भिंड जिले का पूरा पुलिस महकमा बच्चे को खोजने में जुट गया। युद्ध स्तर पर चलाए गए सर्चिंग अभियान और नाकाबंदी का असर हुआ कि 12 घंटे के अंदर ही किडनैप हुए बच्चे की लोकेशन मिल गई।

पुलिस की नाकाबंदी से बचते हुए दोनों बाइक सवार अपहरणकर्ता ग्वालियर जिले की सीमा लांघ कर मुरैना जिले में पहुंच गए थे। लेकिन, पुलिस की कई टीमें अपहरणकर्ताओं को ढूंढने में जुटी थी। इस बीच किडनैपर्स पर 2 लाख का इनाम भी घोषित कर दिया गया। ग्वालियर पुलिस जिले और पड़ोसी जिलों के 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थी। इन हालातों से डरकर अपहरणकर्ता बच्चे को मुरैना के बसाइयां माता इलाके के पास बने एक ईंट भट्टे पर छोड़ कर भाग गए।

**वापसी पर परिवार भावुक -** अपहरणकर्ता के चंगुल से छूटने के बाद शिवाय किसी तरह सड़क तक पहुंच गया। इस बीच एक रिक्शे वाले ने शिवाय को रोते देखा तो पहचान लिया। गांव के सरपंच को इसके बारे में बताया और सरपंच ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। शिवाय के मिलने की खबर से ही पीड़ित परिवार के साथ-साथ पूरा इलाका खुशी से झूम उठा। शिवाय के पिता राहुल गुप्ता के घर के बाहर ढोल नगाड़े बजे और जमकर आतिशबाजी हुई। रात करीब 12 बजे खुद ग्वालियर आईजी अरविंद सक्सेना, एसपी धर्मवीर यादव समेत पूरा पुलिस महकमा शिवाय को लेकर घर पहुंचा तो लोगों की खुशी देखने लायक थी। घर के बाहर भारी भीड़ जुटी थी जो शिवाय का हाल जानने उत्सुक थी। जैसे ही शिवाय अपनी माता-पिता और परिवार से मिला तो सबकी आंखे नम हो गईं। इस मौके पर भावुक हुए शिवाय के माता-पिता ने पुलिस और मीडिया के साथ शहर के वासियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे बहुत खुश हैं कि उनका कन्हैया घर वापस आ गया। उन्होंने बताया कि रात में उन्हें पता चला कि बेटा मिल गया है। कुछ देर बाद उससे वीडियोकॉल पर बात हुई। जिसमें शिवाय ने बताया कि उसने खाना खा लिया है। परिवार उसे लेने के लिए मुरैना रवाना हुआ ही था कि रास्ते में पता चला कि आईजी, डीआईजी और एसपी खुद उसे लेकर घर आ रहे हैं।

**पूरे क्षेत्र में जश्न सा माहौल-** पिता राहुल ने यह भी बताया कि, किडनैपर्स ने शिवाय के साथ मारपीट भी की थी। उसके चेहरे और पीठ पर मारपीट की वजह से निशान भी आए हैं। वे कहते हैं कि उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं है कि बच्चे के अपहरण के पीछे किसका हाथ है। क्योंकि, उनकी किसी के साथ कोई दुश्मनी भी नहीं है। राहुल ने बातचीत में यह भी बताया कि एक साल पहले भी उनके बेटे को भी ठीक इसी तरह आंख में मिर्ची झोंक कर अगवा करने का प्रयास मुरैना में हुआ था। लेकिन, वह असफल रहा था। हालांकि, बच्चा शिवाय अब भी सहमा हुआ है और ज्यादा कुछ बोल नहीं रहा।

### मुख्यमंत्री ने दी बधाई का वीडियो संदेश दिया

ग्वालियर पुलिस की सतर्कता और युद्ध स्तर पर बच्चे को रिकवर करने के प्रयास की मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी तारीफ की। उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि मुझे यह बताते हुए संतुष्टि है कि अपहरण हुआ ग्वालियर निवासी बालक शिवाय गुप्ता मुरैना में सकुशल मिल गया। अपहरण की घटना की जानकारी मिलते ही मैंने डीजी पुलिस और एडीजी इंटेलिजेंस को तत्काल आवास बुलाकर पुलिस की कार्रवाई पर विस्तृत जानकारी ली। साथ ही यह स्पष्ट कर दिया था कि बच्चे को खरोंच भी आई तो अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस द्वारा तत्परता से त्वरित कार्रवाई और सघन अभियान चलाकर अपराधियों से बालक को छोड़ने पर मजबूर करने के लिए पुलिस की टीम बधाई की पात्र है। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। मध्य प्रदेश में किसी भी अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है।

### अब किडनैपर्स को पकड़ेगी पुलिस

ग्वालियर के एडिशनल एसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि अपहरण के बाद ग्वालियर पुलिस ने इस वारदात को चैलेंज की तरह लेते हुए करीब 12 घंटे में बच्चे को बरामद कर परिवार को सौंप दिया। इसके लिए पुलिस द्वारा पूरा रूट ट्रेस किया गया। 500 कैमरे खंगाले गए। रूट के हिसाब से मुरैना एसपी से कोऑर्डिनेट कर जगह-जगह चेकिंग कर नाकेबंदी की गई। इन हालातों को देखते हुए अपहरणकर्ताओं ने बच्चे को ईंट भट्टे पर छोड़ दिया। शुक्रवार से टेक्निकल टीम आरोपियों को ट्रेस करने के काम पर लगेगी और जल्द से जल्द इन दोनों बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

## माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 12 वीं कक्षा की परीक्षा का टाइम टेबल घोषित

**भोपाल।** माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 12 वीं कक्षा (नियमित/स्वाध्यायी) की परीक्षा का टाइम टेबल घोषित किया गया है। जिसके अनुसार मंगलवार 25 फरवरी हिन्दी विषय का पेपर, शुक्रवार 28 फरवरी को अंग्रेजी, शनिवार 1 मार्च को उर्दू एवं मराठी, मंगलवार 4 मार्च को भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र एवं एनिमल हस्बैण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एण्ड फिशरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास के पेपर रहेंगे।

बुधवार 5 मार्च को बायोटेक्नॉलोजी, गायन वादन, तबला पखावज, गुरुवार 6 मार्च को ड्राइंग एंड डिजाइन, शुक्रवार 7 मार्च भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन, एंड हार्टिकल्चर, स्टिल लाइफ एंड डिजाइन, शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं स्वास्थ्य, शनिवार 8 मार्च बायोलॉजी, सोमवार 10 मार्च को मनोविज्ञान, मंगलवार 11 मार्च को इन्फॉर्मेटिक प्रैक्टिस, बुधवार 12 मार्च को संस्कृत, सोमवार 17 मार्च को रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एली. आफ साईंस एण्ड मेथेमेटिक्स यूजफुल फॉर एग्रीकल्चर, ड्राइंग एण्ड पेंटिंग, गृह प्रबन्ध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान, गुरुवार 20 मार्च को समाजशास्त्र, शुक्रवार 21 मार्च को हस्त्क्ला (हड्डुह्लद्बश्ठ्ठड्डद्य स्द्मद्बद्यद्यह्य त्तह्वड्डद्यद्बद्धद्बष्ड्डह्लद्बश्ठ्ठह्य स्रह्लड्डद्बद्ग ड्ड्डश्रह्यद्म), शारीरिक शिक्षा, शनिवार 22 मार्च को कृषि, होम साइंस, बुक कीपिंग एंड एकाउंटेंसी, सोमवार 24 मार्च को राजनीति शास्त्र, मंगलवार 25 मार्च को गणित का पेपर रहेगा।

## ओबीसी महासभा द्वारा ओबीसी को 27% आरक्षण ,जाति गत जनगणना हेतु राज्यपाल के नाम का ज्ञापन जिलाध्यक्ष को सौपा

**जबलपुर।** ओबीसी महासभा अध्यक्ष गिरानी लाल कुशवाहा टीकाराम कोष्टा नोखेलाल प्रजापति राम रतन यादव घनश्याम यादव रामदास यादव आर वी पटेल धर्मेंद्र कुशवाहा राजेंद्र पिल्लई आरके पटेल एडवोकेट रामकिशोर शिवहरे एडवोकेट राम गिरीश वर्मा शैलेश लोधी इंद्र कुमार गोपाल सिंह लोधी विजय पासी धर्मेंद्र पटेल आदि ने ज्ञापन देकर ओबीसी महासभा माग करती है कि प्रदेश के सभी जिलों मे ओबीसी को 27त्न आरक्षण नौकरियों में प्राप्त हो मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने निर्णय देकर मार्ग प्रशस्त कर दिया है इसके बावजूद प्रदेश में सरकारी भर्तियों में पूर्ण रूप से इसे लागू नहीं किया गया वर्तमान में सरकारी पदों पर मात्र 13त्न आरक्षण की व्यवस्था अन्याय पूर्ण है लाखों पिछड़ा वर्ग के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है ओबीसी महासभा मांग करती है की 27त्न आरक्षण को तत्काल लागू किया जावे न्यायालय के निर्णय को आधार बनाकर शीघ्र रोजगार प्रदान कर ओबीसी के अधिकारों की रक्षा की जावे। जातिगत जनगणना एवं सामाजिक न्याय में हिस्सेदारी से सामाजिक समरसता एवं समानता सुनिश्चित करने जातिगत जनगणना हो।

यह जनगणना सभी वर्ग की सामाजिक आर्थिक स्थिति को स्पष्ट करेगी न्याय संगत नीतियों के निर्धारण में सहायक होगी न्यायपालिका कार्यपालिका विधायिका निजी क्षेत्र वित्तीय बजट सभी क्षेत्रों में आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जावे।

पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक अधिकारों को नवमी अनुसूची में शामिल किया जावे।

पिछड़ा वर्ग द्वारा मंदिरों को दान की गई भूमि दान कर्ता के परिवार को लौटाई जावे। प्रदेश के ग्राम सचिवालय तक प्रमुख प्रशासनिक पदों पर 50त्न कर्मचारियों अधिकारियों को ओबीसी वर्ग के पदस्थ किया जावे। सभी शासकीय और प्राइवेट स्कूल के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए जावे । प्रदेश शासन उपरोक्त मांगों पर त्वरित कार्यवाही करें जिससे पिछड़े वर्गों की हितों की रक्षा हो सके ।



आज जोन 18 में स्वच्छता से संबधित निरीक्षण किया इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री आर के सिंह बघेल, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती ज्योति मिश्रा, सहायक आयुक्त श्रीमती कीर्ति चौहान एवम निगम अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## प्रदेश में फिर से ठंड का असर तेज

### भोपाल-इंदौर , उज्जैन समेत कई जिलों का लुढ़का पारा

**भोपाल (निप्र)।** मध्य प्रदेश के कई जिलों में एक बार फिर ठंड का असर तेज हो गया है। सुबह और रात को फिर से ठंड का अहसास होने लगा है। हालांकि दिनभर धूप रहने से थोड़ी राहत है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी होने से प्रदेश में हवा की रफ्तार 12 से 15 किमी प्रतिघंटा पहुंच गई, जिससे तापमान में गिरावट आयी है। रात में तापमान 7 डिग्री और दिन में 23 डिग्री तक लुढ़क गया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में भी तापमान में गिरावट हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, आज शुक्रवार से तापमान में फिर से गिरावट हो सकती है। इससे तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ेगा। पूरे फरवरी महीने में तापमान में ऐसी ही उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। इस वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिली है। फिलहाल बारिश होने के आसार नहीं है। शुक्रवार को दिन के तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है, हालांकि रात और सुबह के समय ठंडक बनी रहेगी। इससे पहले गुरुवार को दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई। पचमढ़ी में पारा 23.4 डिग्री रहा। भोपाल में 26.6 डिग्री, इंदौर में 27.3 डिग्री, ग्वालियर में 27.1 डिग्री, उज्जैन में 28.5 डिग्री और जबलपुर में 26.2 डिग्री रहा। इसी तरह रायसेन में 25 डिग्री, दमोह में 28 डिग्री, खजुराहो में 27.6 डिग्री, नरसिंहपुर में 28.2 डिग्री, नौगांव में 25.8 डिग्री, रीवा में 27 डिग्री, सागर में 28.2 डिग्री, सतना में 27.2 डिग्री, सिवनी में 26.4 डिग्री, सीधी में 26.6 डिग्री, उमरिया में 27.4 डिग्री और मलाजखंड में पारा 26.9 डिग्री दर्ज किया गया।

## तोड़ी जाएगीमोतीनगर बस्ती अवैध कॉलोनी, रहवासियों को मिला अल्टीमेटम

**भोपाल निप्र।** प्रदेश की राजधानी भोपाल का बहुचर्चित मोतीनगर बस्ती के अतिक्रमण को अब प्रशासन द्वारा शहर में होने जा रही ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट (GIS) के बाद हटाया जाएगा। प्रशासन की ओर से मोतीनगर बस्ती के रहवासियों को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। रहवासियों को मिली 15 दिनों की और मोहलत के बाद अब वो इस अवधि में संबंदित स्थान से अपना कब्जा हटा सकते हैं। हालांकि, जानकारी ये भी सामने आई है कि मोतीनगर बस्ती के रहवासियों ने प्रशासन की ओर से भेजे गए नोटिस को अस्वीकार कर दिया है। बता दें कि, रेलवे और बीडीए की जमीन पर अतिक्रमण कर मोतीनगर बस्ती बनाई गई थी। शहर की भदभदा बस्ती के बाद मोतीनगर बस्ती टूटेगा।

मोती नगर क्षेत्र से रेलवे की चौथी लाइन और सुभाष ओवर ब्रिज का तीसरे लेग का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। निर्माण के पहले झुग्गियों को हटाने की प्रशासन द्वारा ये दूसरी बड़ी कार्रवाई की जा रही है।

## शब-ए-बारात पर इबादत में गुजरी रात, लोगों ने कब्रिस्तानों में पहुंचकर पढ़ी फातेहा

**भोपाल।** गुरुवार रात्रि को शब-ए-बारात का त्यौहार अकीदत के साथ मनाया गया। पूरे शहर में दूधिया रोशनी के बीच मुस्लिम समाज जनो ने इबादत कर खुदा की बारगाह में गुनाहों की माफ़ी मांगकर पूरे मुल्क में अमन चैन और भाईचारे की दुआ की। पवित्र पर्व को देखते हुए पूरे शहर में विशेष तैयारियां की गई थी।

शहर की मस्जिदों में साज सज्जा कर आकर्षक लाइटिंग की गई थी। इस बीच पूरी रात जहां मर्दों ने मस्जिदों तो वही महिलाओं और बच्चों ने घरों में नफली इबादत की। साथ ही अगले दिन शहर में बड़ी तादाद में लोगो ने रोजा रखा। दूसरी और शब ए बारात पर शहर के बाग फरहत अफजा, झदा, बड़ा बाग आदि कब्रिस्तानों में पहुंचकर लोगो ने फातेहा पढ़कर





अपने-अपने पूर्वजों के साथ तमाम मरहुमिन की मगफिरत के लिए दुआ की।

शहर के कब्रिस्तानों में लोगो की बड़ी आमद को देखते हुए कमेटी द्वारा रोशनी और साफ सफाई के विशेष इंतजाम किए गए थे। साथ ही फतेहा पढ़ने के लिए आने वाले लोगो की सुविधा के लिए अस्थाई वाहन पार्किंग व्यवस्था भी की गई थीं।

**मस्जिदों में हुई विशेष तकरीर-** शब-ए-बारात के मौके पर शहर की मस्जिदों में उल्माओ के द्वारा तकरीर कर लोगो को भलाई के रास्तों पर चलने की सीख दी गई। शहर के चार बत्ती स्थित कुलशुम बी मस्जिद में ईशा की नमाज़ के बाद मुफ्ती ए शहर ने अपने बयानों में उम्मात को नेक काम करने की सलाह दी। इस दौरान देर रात तक बड़ी संख्या में लोगो का मजमा बयानों को सुनने के लिए मौजूद रहा।

80 फिट पर मौजूद सकलैनी जमा मस्जिद में भी शबे बारात पर मगरिब की नमाज़ के बाद खास 6 रकात नमाज़ नाफिल सैकड़ों लोगो ने अदा की। वही रात मे उल्मा हज़रात ने शबे बारात की फजीलत पर बयान पेश कर हमेशा नबी पाक के बताएं रास्तों पर चलने की सीख दी। इस मौके पर सकलैनी मस्जिद में इज्तिमाई दुआ भी करवाई गई।